



!! ॐ !!

!! श्री गणेशाय नमः!!

!! स्थापित देवता संग्रह !!

Sthapitdevata sangrah



!! संपादक:!!

प्रकाश पंड्या एवं कार्तिक पंड्या

मो.९०३३३९३९३०

मो.९९०९४६०५४०



સંવત ૨૦૬૯

પૌષ સુદ	january
૧૫	27
રવિવાર	sunday

2013

!! विषय-सूची !!

!! यज्ञ प्रकरणम् !!

!! शांति प्रकरणम् !!

!! श्राद्ध प्रकरणम् !!

!! ॐ !!

!! अथ यज्ञ प्रकरणम् !!





by-prakash pandya & kartik pandya

!! अथ गणपति भद्र मण्डलम् !!

ॐ गणपतये नमः!!१!!
ॐ तीव्रायै नमः!!२!!
ॐ चालिन्यै नमः!!३!!
ॐ नंदायै नमः!!४!!
ॐ भोगदायै नमः!!५!!
ॐ कामरूपिण्यै नमः!!६!!
ॐ उग्रायै नमः!!७!!
ॐ तेजोवत्यै नमः!!८!!
ॐ सत्यायै नमः!!९!!
ॐ विघ्ननाशिन्यै नमः!!१०!!
ॐ विद्यायै नमः!!११!!
ॐ विधात्रै नमः!!१२!!
ॐ भोगदायै नमः!!१३!!
ॐ विघ्नतिन्यै नमः!!१४!!
ॐ निधिप्रदायै नमः!!१५!!
ॐ पापघ्नै नमः!!१६!!
ॐ पुण्याय नमः!!१७!!
ॐ शशिप्रायै नमः!!१८!!
ॐ वक्रतुण्डायै नमः!!१९!!
ॐ एकदंष्ट्रायै नमः!!२०!!
ॐ लंबोदरायै नमः!!२१!!
ॐ विकटायै नमः!!२२!!
ॐ धूम्रवर्णायै नमः!!२३!!
ॐ विघ्नराजाय नमः!!२४!!
ॐ गजाननाय नमः!!२५!!
ॐ विनायकाय नमः!!२६!!
ॐ गणपतये नमः!!२७!!
ॐ हस्तिदंताय नमः!!२८!!
ॐ विष्णवे नमः!!२९!!
ॐ शिवाय नमः!!३०!!
ॐ सूर्याय नमः!!३१!!
ॐ देव्यै नमः!!३२!!
ॐ ब्राह्म्यै नमः!!३३!!
ॐ माहेश्वर्यै नमः!!३४!!
ॐ कोमार्यै नमः!!३५!!
ॐ वैष्णव्यै नमः!!३६!!
ॐ वाराह्यै नमः!!३७!!
ॐ इन्द्राण्यै नमः!!३८!!
ॐ चामुण्डायै नमः!!३९!!
ॐ महालक्ष्म्यै नमः!!४०!!
ॐ सुमुखायै नमः!!४१!!
ॐ दुर्मुखाय नमः!!४२!!
ॐ विघ्ननाशाय नमः!!४३!!
ॐ प्रमोदाय नमः!!४४!!
ॐ इंद्राय नमः!!४५!!
ॐ अग्नये नमः!!४६!!
ॐ यमाय नमः!!४७!!
ॐ नैऋत्ये नमः!!४८!!

ॐ कुबेराय नमः!!५१!!

ॐ ईश्वराय नमः!!५२!!

ॐ वज्राय नमः!!५३!!

ॐ शक्त्यै नमः!!५४!!

ॐ दण्डाय नमः!!५५!!

ॐ खड्गाय नमः!!५६!!

ॐ पाशाय नमः!!५७!!

ॐ अंकुशाय नमः!!५८!!

ॐ गदाय नमः!!५९!!

ॐ त्रिशूलाय नमः!!६०!!

ॐअसितांगभैरवाय नमः!!६१!!

ॐ रुरुव भैरवाय नमः!!६२!!

ॐ चण्ड भैरवाय नमः!!६३!!

ॐ क्रोध भैरवाय नमः!!६४!!

ॐ उन्मत्तभैरवाय नमः!!६५!!

ॐ कापालिभैरवाय नमः!!६६!!

ॐ भीषणभैरवाय नमः!!६७!!

ॐ संहारभैरवाय नमः!!६८!!

!! इति गणपतिभद्र मण्डलम् !!



!! अथ मातृका मण्डलम् !!

ॐ गणेशाय नमः!!१!! ॐ गौर्यै नमः!!२!! ॐ पद्मायै नमः!!३!!
ॐ शच्यै नमः!!४!! ॐ मेधायै नमः!!५!! ॐ सावित्र्यै नमः!!६!!
ॐ विजयायै नमः!!७!! ॐ जयायै नमः!!८!! ॐ देवसेनायै नमः!!९!!
ॐ स्वधायै नमः!!१०!! ॐ स्वाहायै नमः!!११!! ॐ लोकमातृकाभ्यो नमः!!१२!!
ॐ धृत्यै नमः!!१३!! ॐ पुष्टयै नमः!!१४!! ॐ तुष्टयै नमः!!१५!!
ॐ आत्मनकुलदेवतायै नमः!!१६!!

!! अथ सप्तवसोर्द्धारा देवता !!

ॐ श्रियै नमः!!१!! ॐ लक्ष्म्यै नमः!!२!! ॐ धृत्यै नमः!!३!!
ॐ मेधायै नमः!!४!! ॐ स्वाहायै नमः!!५!! ॐ प्रज्ञायै नमः!!६!!
ॐ सरस्वत्यै नमः!!७!!

!! अथ मंडपमातृका देवता !!

(आग्नेयाम्) ॐ नंदिन्यै नमः!!१!! (नैऋत्याम्) ॐ नलिन्यै नमः!!२!!
(वायव्याम्) ॐ मैत्रायै नमः!!३!! (एशान्याम्) ॐ उमायै नमः!!४!!
(मध्ये) ॐ पशुवर्धिन्यै नमः!!५!!

ॐ नंदिनी नलिनी मैत्रा उमा च पशुवर्द्धिनी !
आग्नेयादि क्रमेणैव शाखास्तंभे प्रतिष्ठिताः!!

!! अथ षडविनायकम् !!

ॐ मोदाय नमः!!१!! ॐ प्रमोदाय नमः!!२!! ॐ सुमुखाय नमः!!३!!
ॐ दुर्मुखाय नमः!!४!! ॐ अविघ्नाय नमः!!५!! ॐ विघ्नकर्त्रे नमः!!६!!

ॐ मोदश्चैव प्रमोदश्च सुमुखो दुर्मुखस्तथा !
अविघ्नो विघ्नकर्ता च षडेते विघ्ननायकाः!!

!! अथ नवग्रह मण्डलम् !!

ॐ सूर्याय नमः!!१!! ॐ सोमाय नमः!!२!! ॐ भौमाय नमः!!३!!
ॐ बुधाय नमः!!४!! ॐ बृहस्पतये नमः!!५!! ॐ शुक्राय नमः!!६!!
ॐ शनैश्चराय नमः!!७!! ॐ राहवे नमः!!८!! ॐ केतवे नमः!!९!!

!! अथ अधिदेवता !!

ॐ ईश्वराय नमः!!१!! ॐ उमायै नमः!!२!! ॐ स्कन्दाय नमः!!३!!
ॐ विष्णवे नमः!!४!! ॐ ब्रह्मणे नमः!!५!! ॐ इन्द्राय नमः!!६!!
ॐ यमाय नमः!!७!! ॐ कालाय नमः!!८!! ॐ चित्रगुप्ताय नमः!!९!!

!! अथ प्रत्याधि देवता !!

ॐ अग्नये नमः!!१!! ॐ अद्भ्यो नमः!!२!! ॐ पृथिव्यै नमः!!३!!
ॐ विष्णवे नमः!!४!! ॐ इन्द्राय नमः!!५!! ॐ इन्द्राण्यै नमः!!६!!
ॐ प्रजापतये नमः!!७!! ॐ सर्पेभ्यो नमः!!८!! ॐ ब्रह्मणेनमः!!९!!

!! अथ पंचलोकपाल देवता (वास्तु क्षेत्रपाल सहित) !!

ॐ गणपतये नमः!!१!! ॐ दुर्गायै नमः!!२!! ॐ वायवे नमः!!३!! ॐ आकाशाय नमः!!४!!
ॐ अश्विभ्यां नमः!!५!! ॐ क्षेत्रपालाय नमः!!६!! ॐ वास्तोष्पतये नमः!!७!!

!! अथ दशदिक्पाल देवता !!

ॐ इन्द्राय नमः!!१!! ॐ अग्नये नमः!!२!! ॐ यमाय नमः!!९!! ॐ निऋृतये नमः!!४!!
ॐ वरुणाय नमः!!५!! ॐ वायवे नमः!!६!! ॐ सोमाय नमः!!७!! ॐ ईशानाय नमः!!८!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!९!! ॐ अनंताय नमः!!१०!!

!! अथ ग्रहमातृका देवता !!

ॐ मंगलायै नमः!!१!! ॐ पिंगलायै नमः!!२!! ॐ धान्यायै नमः!!३!! ॐ भ्रामर्यै नमः!!४!!
ॐ भद्रिकायै नमः!!५!! ॐ उल्कायै नमः!!६!! ॐ सिद्धायै नमः!!७!! ॐ संकटायै नमः!!८!!
ॐ विकटायै नमः!!९!!

!! इति नवग्रह मण्डलम् !!

!! अथ वर्धिनी मण्डलम् !!

ॐ वर्धिन्यै नमः!!१!!
ॐ वरुणाय नमः!!२!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!३!!
ॐ रुद्राय नमः!!४!!
ॐ विष्णवे नमः!!५!!
ॐ मातृभ्यो नमः!!६!!
ॐ सागरेभ्यो नमः!!७!!
ॐ मह्यै नमः!!८!!
ॐ नदीभ्यो नमः!!९!!
ॐ तीर्थेभ्यो नमः!!१०!!
ॐ गायत्र्यै नमः!!११!!
ॐ ऋग्वेदाय नमः!!१२!!
ॐ यजुर्वेदाय नमः!!१३!!
ॐ सामवेदाय नमः!!१४!
ॐ अथर्ववेदाय नमः!!१५!
ॐ अग्नये नमः!!१६!!
ॐ आदित्येभ्यो नमः!!१७!!

ॐ एकादशरुद्रेभ्यो नमः!!१८!!
ॐ मरुद्भ्यो नमः!!१९!!
ॐ गंधर्वेभ्यो नमः!!२०!!
ॐ ऋषये नमः!!२१!!
ॐ वरुणाय नमः!!२२!!
ॐ वायवे नमः!!२३!!
ॐ धनदाय नमः!!२४!!
ॐ यमाय नमः!!२५!!
ॐ धर्माय नमः!!२६!!
ॐ शिवाय नमः!!२७!!
ॐ यज्ञाय नमः!!२८!!
ॐ विश्वेभ्यो देवेभ्यो नमः!!२९!!
ॐ स्कंदाय नमः!!३०!!
ॐ गणेशाय नमः!!३१!!
ॐ यक्षाय नमः!!३२!!
ॐ अरुंधत्यै नमः!!३३!!

ॐ वर्धिनी त्वं महापूता महातीर्थोदकान्विता !
त्वत्तोयेन प्रपूर्येऽहं भव त्वं कुलवर्धिनी !!१!!
ॐ वर्धिनी त्वं जगन्माता पवित्रातिमनोहरा !
तव तोयेन कलशान् पूरयामि श्रिये मुदा !!२!!

!! इति वर्धिनी मण्डलम् !!

!! अथ गृह वास्तुमण्डलम् !!

ॐ शिखिने नमः!!१!!
ॐ पर्जन्याय नमः!!२!!
ॐ जयंताय नमः!!३!!
ॐ इंद्राय नमः!!४!!
ॐ सूर्याय नमः!!५!!
ॐ सत्याय नमः!!६!!
ॐ भृशाय नमः!!७!!
ॐ अन्तरिक्षाय नमः!!८!!
ॐ वायवे नमः!!९!!
ॐ पूष्णे नमः!!१०!!
ॐ वितथाय नमः!!११!!
ॐ गृहक्षताय नमः!!१२!!
ॐ यमाय नमः!!१३!!
ॐ गंधर्वाय नमः!!१४!!
ॐ भृंगराजाय नमः!!१५!!
ॐ मृगाय नमः!!१६!!
ॐ पितृभ्यो नमः!!१७!!
ॐ दौवारिकाय नमः!!१८!!
ॐ सुग्रीवाय नमः!!१९!!
ॐ पुष्पदंताय नमः!!२०!!
ॐ वरुणाय नमः!!२१!!
ॐ असुराय नमः!!२२!!
ॐ शेषाय नमः!!२३!!
ॐ पापाय नमः!!२४!!
ॐ रोगाय नमः!!२५!!
ॐ नागाय नमः!!२६!!
ॐ मुख्याय नमः!!२७!!
ॐ भल्लाटाय नमः!!२८!!
ॐ सोमाय नमः!!२९!!
ॐ उरगाय नमः!!३०!!
ॐ अदितये नमः!!३१!!
ॐ दितये नमः!!३२!!
ॐ अद्भ्यो नमः!!३३!!
ॐ आपवत्साय नमः!!३४!!
ॐ अर्यम्णे नमः!!३५!!
ॐ सावित्राय नमः!!३६!!
ॐ सवित्रे नमः!!३७!!
ॐ विवस्वते नमः!!३८!!
ॐ विबुधाधिपाय नमः!!३९!!
ॐ जयन्ताय नमः!!४०!!
ॐ मित्राय नमः!!४१!!
ॐ राजयक्ष्मणे नमः!!४२!!
ॐ रुद्राय नमः!!४३!!
ॐ पृथ्वीधराय नमः!!४४!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!४५!!
ॐ चरक्यै नमः!!४६!!
ॐ विदार्यै नमः!!४७!!
ॐ पूतनायै नमः!!४८!!
ॐ पापराक्षस्यै नमः!!४९!!
ॐ स्कंदाय नमः!!५०!!

ॐ अर्यम्णे नमः!!५१!!
ॐ जृंभकाय नमः!!५२!!
ॐ पिलिपिच्छाय नमः!!५३!!
ॐ इंद्राय नमः!!५४!!
ॐ अग्नये नमः!!५५!!
ॐ यमाय नमः!!५६!!
ॐ निऋतये नमः!!५७!!
ॐ वरुणाय नमः!!५८!!
ॐ वायवे नमः!!५९!!
ॐ कुबेराय नमः!!६०!!
ॐ ईशानाय नमः!!६१!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!६२!!
ॐ अनंताय नमः!!६३!!
ॐ उग्रसेनाय नमः!!६४!!
ॐ डामराय नमः!!६५!!
ॐ महाकालाय नमः!!६६!!
ॐ पिलिपिच्छाय नमः!!६७!!
ॐ हेतुकाय नमः!!६८!!
ॐ त्रिपुरान्तकाय नमः!!६९!!
ॐ अग्निवैतालाय नमः!!७०!!
ॐ असिवैतालाय नमः!!७१!!
ॐ कालाय नमः!!७२!!
ॐ करालाय नमः!!७३!!
ॐ एकपदाय नमः!!७४!!
ॐ भीमरूपाय नमः!!७५!!
ॐ खेचराय नमः!!७६!!
ॐ तलवासिने नमः!!७७!!
ॐ वास्तुपुरुषाय नमः!!७८!!
ॐ ध्रुवाय नमः!!७९!!
ॐ अघोराय नमः!!८०!!

!! इति गृहवास्तुमण्डलम् !!



!! अथ गजाननादि चतुःषष्ठीयोगिनी मण्डलम् !!

ॐ महाकाल्यै नमः!!१!!
ॐ महालक्ष्म्यै नमः!!२!!
ॐ महासरस्वत्यै नमः!!३!!
ॐ गजाननायै नमः!!४!!
ॐ सिंहमुख्यै नमः!!५!!
ॐ गृध्रास्यायै नमः!!६!!
ॐ काकतुण्डिकायै नमः!!७!!
ॐ उष्ट्रग्रीवायै नमः!!८!!
ॐ हयग्रीवायै नमः!!९!!
ॐ वाराह्यै नमः!!१०!!
ॐ शरभाननायै नमः!!११!!
ॐ उलूकिकायै नमः!!१२!!
ॐ शिवारावायै नमः!!१३!!
ॐ मयूर्यै नमः!!१४!!
ॐ विकटाननायै नमः!!१५!!
ॐ अष्टवक्रायै नमः!!१६!!
ॐ कोटराक्ष्यै नमः!!१७!!
ॐ कुब्जायै नमः!!१८!!
ॐ विकटलोचनायै नमः!!१९!!
ॐ शुष्कोदर्यै नमः!!२०!!
ॐ ललजिह्वायै नमः!!२१!!
ॐ श्वदंष्ट्रायै नमः!!२२!!
ॐ वानराननायै नमः!!२३!!
ॐ रुक्षाक्ष्यै नमः!!२४!!
ॐ केकराक्ष्यै नमः!!२५!!
ॐ बृहत्तुण्डायै नमः!!२६!!
ॐ सुराप्रियायै नमः!!२७!!
ॐ कपालहस्तायै नमः!!२८!!
ॐ रक्ताक्ष्यै नमः!!२९!!
ॐ शुक्यै नमः!!३०!!
ॐ श्येन्यै नमः!!३१!!
ॐ कपोतिकायै नमः!!३२!!
ॐ पाशहस्तायै नमः!!३३!!
ॐ दण्डहस्तायै नमः!!३४!!
ॐ प्रचण्डायै नमः!!३५!!
ॐ चण्डविक्रमायै नमः!!३६!!
ॐ शिशुघ्न्यै नमः!!३७!!
ॐ पापहन्त्र्यै नमः!!३८!!
ॐ काल्यै नमः!!३९!!
ॐ रुधिरपायिन्यै नमः!!४०!!
ॐ वसाधयायै नमः!!४१!!
ॐ गर्भभक्षायै नमः!!४२!!
ॐ शवहस्तायै नमः!!४३!!
ॐ आन्त्रमालिन्यै नमः!!४४!!
ॐ स्थूलकेश्यै नमः!!४५!!
ॐ बृहत्कुक्ष्यै नमः!!४६!!
ॐ सर्पास्यायै नमः!!४७!!
ॐ प्रेतवाहनायै नमः!!४८!!
ॐ दन्दशूककरायै नमः!!४९!!
ॐ क्रौंच्यै नमः!!५०!!........

ॐ मृगशीर्षायै नमः!!५१!!

ॐ वृषाननायै नमः!!५२!!

ॐ व्यात्तास्यायै नमः!!५३!!

ॐ धूमनिःश्वासायै नमः!!५४!!

ॐ व्योमैक चरणोर्ध्वदृशे नमः!!५५!!

ॐ तापिन्यै नमः!!५६!!

ॐ शोषणीदृष्ट्यै नमः!!५७!!

ॐ कोटर्यै नमः!!५८!!

ॐ स्थूलनासिकायै नमः!!५९!!

ॐ विद्युत्प्रभायै नमः!!६०!!

ॐ बलाकास्यायै नमः !!६१!!

ॐ मार्जार्यै नमः!!६२!!

ॐ कटपूतनायै नमः!!६३!!

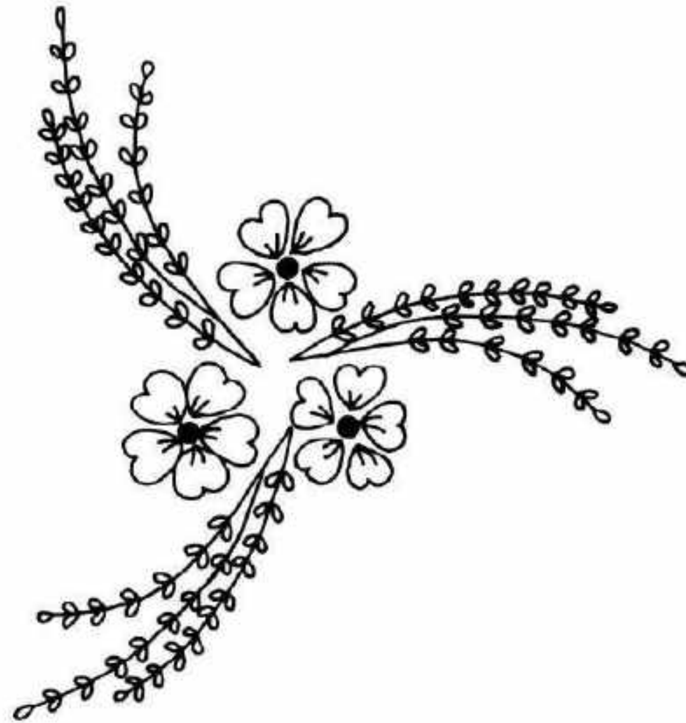
ॐ अट्टाट्टहासायै नमः!!६४!!

ॐ कामाक्ष्यै नमः!!६५!!

ॐ मृगाक्ष्यै नमः!!६६!!

ॐ मृगलोचनायै नमः!!६७!!

!! इति गजाननादि चतुःषष्ठीयोगिनी मण्डलम् !!



!! अथ क्षेत्रपाल मण्डलम् !!

ॐ क्षेत्रपालाय नमः!!१!!
ॐ अजराय नमः!!२!!
ॐ व्यापकाय नमः!!३!!
ॐ इन्द्रचौराय नमः!!४!!
ॐ इन्द्रमूर्तये नमः!!५!!
ॐ उक्षाय नमः!!६!!
ॐ कूष्माण्डाय नमः!!७!!
ॐ वरुणाय नमः!!८!!
ॐ बटुकाय नमः!!९!!
ॐ विमुक्ताय नमः!!१०!!
ॐ लिप्तकायाय नमः!!११!!
ॐ लीलाकाय नमः!!१२!!
ॐ एकदंष्ट्राय नमः!!१३!!
ॐ ऐरावताय नमः!!१४!!
ॐ ओषधीघ्राय नमः!!१५!!
ॐ बन्धनाय नमः!!१६!!
ॐ दिव्यकाय नमः!!१७!!

ॐ कम्बलाय नमः!!१८!!
ॐ भीषणाय नमः!!१९!!
ॐ गवयाय नमः!!२०!!
ॐ घण्टाय नमः!!२१!!
ॐ व्यालाय नमः!!२२!!
ॐ अणवे नमः!!२३!!
ॐ चन्द्रवारुणाय नमः!!२४!!
ॐ पटाटोपाय नमः!!२५!!
ॐ जटालाय नमः!!२६!!
ॐ क्रतवे नमः!!२७!!
ॐ घण्टेश्वराय नमः!!२८!!
ॐ विटंकाय नमः!!२९!!
ॐ मणिमानाय नमः!!३०!!
ॐ गणबन्धवे नमः!!३१!!
ॐ डामराय नमः!!३२!!
ॐ ढुण्ढिकर्णाय नमः!!३३!!
ॐ स्थविराय नमः!!३४!!

ॐ दन्तुराय नमः!!३५!!
ॐ धनदाय नमः!!३६!!
ॐ नागकर्णाय नमः!!३७!!
ॐ महाबलाय नमः!!३८!!
ॐ फेत्कराय नमः!!३९!!
ॐ चीकराय नमः!!४०!!
ॐ सिंहाय नमः!!४१!!
ॐ मृगाय नमः!!४२!!
ॐ यक्षाय नमः!!४३!!
ॐ मेघवाहनाय नमः!!४४!!
ॐ तीक्ष्णोष्ठाय नमः!!४५!!
ॐ अनलाय नमः!!४६!!
ॐ शुक्लतुण्डाय नमः!!४७!!
ॐ सुधालापाय नमः!!४८!!
ॐ बर्बरकाय नमः!!४९!!
ॐ पवनाय नमः!!५०!!
ॐ पावनाय नमः!!५१!!

!! इति क्षेत्रपाल मण्डलम् !!



!! अथ सर्वतोभद्र मण्डलम् !!

ॐ ब्रह्मणे नमः!!१!!

ॐ सोमाय नमः!!२!!

ॐ ईशानाय नमः!!३!!

ॐ इंद्राय नमः!!४!!

ॐ अग्नये नमः!!५!!

ॐ यमाय नमः!!६!!

ॐ नैऋत्ये नमः!!७!!

ॐ वरुणाय नमः!!८!!

ॐ वायवे नमः!!९!!

ॐ अष्टवसुभ्यो नमः!!१०!!

ॐ एकादशरुद्रेभ्यो नमः!!११!!

ॐ द्वादशदित्येभ्यो नमः!!१२!!

ॐ अश्विभ्यां नमः!!१३!!

ॐ सपैतृकविश्वेभ्यो देवेभ्यो !!१४!!

ॐ सप्तयक्षेभ्यो नमः!!१५!!

ॐ भूतनागेभ्यो नमः!!१६!!

ॐ गन्धर्वाप्सरोभ्यो नमः!!१७!!

ॐ स्कन्दाय नमः!!१८!!

ॐ नन्दीश्वराय नमः!!१९!!

ॐ शूलमहाकालाभ्यां नमः!!२०!!

ॐ दुर्गायै नमः!!२१!!

ॐ विष्णवे नमः!!२२!!

ॐ स्वधासहितपितृभ्यो नमः!!२३!!

ॐ मृत्युरोगाभ्यां नमः!!२४!!

ॐ गणपतये नमः!!२५!!

ॐ अद्भ्यो नमः!!२६!!

ॐ मरुद्भ्यो नमः!!२७!!

ॐ पृथिव्यै नमः!!२८!!

ॐ गंगादिनदीभ्यो नमः!!२९!!

ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!३०!!

ॐ मेरवे नमः!!३१!!

ॐ गदायै नमः!!३२!!

ॐ त्रिशूलायै नमः!!३३!!

ॐ वज्राय नमः!!३४!!

ॐ शक्त्यै नमः!!३५!!

ॐ दण्डाय नमः!!३६!!

ॐ खड्गाय नमः!!३७!!

ॐ पाशाय नमः!!३८!!

ॐ अंकुशाय नमः!!३९!!

ॐ गौतमायै नमः!!४०!!

ॐ भरद्वाजायै नमः!!४१!!

ॐ विश्वामित्रायै नमः!!४२!!

ॐ कश्यपायै नमः!!४३!!

ॐ जमदग्नये नमः!!४४!!

ॐ वसिष्ठायै नमः!!४५!!

ॐ अत्रये नमः!!४६!!

ॐ अरुन्धत्यै नमः!!४७!!

ॐ ऐन्द्यै नमः!!४८!!

ॐ कौमार्यै नमः!!४९!!

ॐ ब्राह्म्यै नमः!!५०!!

ॐ वाराह्यै नमः!!५१!!

ॐ चामुण्डायै नमः!!५२!!

ॐ वैष्णव्यै नमः!!५३!!

ॐ माहेश्वर्यै नमः!!५४!!

ॐ वैनायक्यै नमः!!५५!!

!! इति सर्वतोभद्र मण्डलम् !!



!! अथ यंत्रदेवता मण्डलम् !!

ॐ महाकाल्यै नमः!!१!!
ॐ महालक्ष्मै नमः!!२!!
ॐ महासरस्वत्यै नमः!!३!!
ॐ गुरवे नमः!!४!!
ॐ परमगुरुवे नमः!!५!!
ॐ परात्परगुरवे नमः!!६!!
ॐ परमेष्ठिगुरवे नमः!!७!!
ॐ ऐं ह्रदयाय नमः!!८!!
ॐ ह्रीं शिरसे नमः!!९!!
ॐ क्लीं शिखायै नमः!!१०!!
ॐ चामुण्डायै कवचाय नमः!!११!!
ॐ विच्चे नेत्रत्रयाय नमः!!१२!!
ॐ मूलेन अस्त्राय नमः!!१३!!
ॐ सावित्र्या सह ॐ विधात्रे नमः!!१४!!
ॐ श्रिया सह ॐ विष्णवे नमः!!१५!!
ॐ उमया सह ॐ शिवाय नमः!!१६!!
ॐक्षुं नमःसिंहाय नमः!!१७!!
ॐ हुं नमःमहिषाय नमः!!१८!!
ॐ ऐं नन्दजायै नमः!!१९!!
ॐ ह्रीं रक्तदन्तिकायै नमः!!२०!!
ॐ क्लीं शाकंभर्यै नमः!!२१!!
ॐ दुं दुर्गायै नमः!!२२!!
ॐ हुं भीमायै नमः!!२३!!
ॐ ह्रीं भ्रामर्यै नमः!!२४!!
ॐ ऐं ब्राह्मयै नमः!!२५!!
ॐ ह्रीं माहेश्वर्यै नमः!!२६!!
ॐ क्लीं कौमार्यै नमः!!२७!!
ॐ ह्रीं वैष्णव्यै नमः!!२८!!
ॐ लूं वाराह्यै नमः!!२९!!
ॐ क्षौ नारसिंह्यै नमः!!३०!!
ॐ लं ऐंद्रयै नमः!!३१!!
ॐ ख्यें चामुण्डायै नमः!!३२!!
ॐ ह्रीं लक्ष्म्यै नमः!!३३!!
ॐ विं विष्णुमायायै नमः!!३४!!
ॐ चें चेतनायै नमः!!३५!!
ॐ बुं बुद्ध्यै नमः!!३६!!
ॐ निं निद्रायै नमः!!३७!!
ॐ क्षुं क्षुधायै नमः!!३८!!
ॐ छां छायायै नमः!!३९!!
ॐ शं शक्त्यै नमः!!४०!!
ॐ तृं तृष्णायै नमः!!४१!!
ॐ क्षां क्षान्त्यै नमः!!४२!!
ॐ जां जात्यै नमः!!४३!!
ॐ लं लज्जायै नमः!!४४!!
ॐ शां शान्त्यै नमः!!४५!!
ॐ श्रं श्रद्धायै नमः!!४६!!
ॐ कां कान्त्यै नमः!!४७!!
ॐ लं लक्ष्म्यै नमः!!४८!!
ॐ धृं धृत्यै नमः!!४९!!
ॐ वं वृत्त्यै नमः!!५०!!

ॐ श्रुं श्रुत्यै नमः!!५१!! ॐ स्मृं स्मृत्यै नमः!!५२!! ॐ दं दयायै नमः!!५३!!

ॐ तुं तुष्ट्यै नमः!!५४!! ॐ पुं पुष्ट्यै नमः!!५५!! ॐ मां मातृभ्यो नमः!!५६!!

ॐ भ्रां भ्रान्त्यै नमः!!५७!! ॐ गं गणपतये नमः!!५८!! ॐ क्षं क्षेत्रपालाय नमः!!५९!!

ॐ बं बटुकाय नमः!!६०!! ॐ यां योगिन्यै नमः!!६१!! ॐ लं इन्द्राय नमः!!६२!!

ॐ रं अग्नये नमः!!६३!! ॐ यं यमाय नमः!!६४!! ॐ क्षं निऋतये नमः!!६५!!

ॐ वं वरुणाय नमः!!६६!! ॐ यं वायवे नमः!!६७!! ॐ सं सोमाय नमः!!६८!!

ॐ हं ईशानाय नमः!!६९!! ॐ ब्रं ब्रह्मणे नमः!!७०!! ॐ ह्रीं अनंताय नमः!!७१!!

ॐ वं वज्राय नमः!!७२!! ॐ शं शक्तयै नमः!!७३!! ॐ दं दंडाय नमः!!७४!!

ॐ खं खड्गाय नमः!!७५!! ..ॐ पां पाशाय नमः!!७६!! ॐ अं अंकुशाय नमः!!७७!!

ॐ गं गदायै नमः!!७८!! ॐ त्रिं त्रिशूलाय नमः!!७९!! ॐ पं पद्माय नमः!!८०!!

ॐ चं चक्राय नमः!!८१!! ....

ॐ वज्रहस्तायै गजारूढायै कादम्बरीदेव्यै नमः!!८२!!

ॐ शक्तिहस्तायै अजवाहनायै उल्कादेव्यै नमः!!८३!!

ॐ दण्डहस्तायै महिषारूढायै करालीदेव्यै नमः!!८४!!

ॐ खड्गहस्तायै शववाहनायै रक्ताक्षीदेव्यै नमः!!८५!!

ॐ पाशहस्तायै मकरवाहनायै श्वेताक्षीदेव्यै नमः!!८६!!

ॐ अंकुशहस्तायै मृगवाहनायै हरिताक्षीदेव्यै नमः!!८७!!

ॐ गदाहस्तायै सिंहारूढायै यक्षिणीदेव्यै नमः!!८८!!

ॐ त्रिशूलहस्तायै वृषभवाहनायै कालीदेव्यै नमः!!८९!!

ॐ पद्महस्तायै हंसवाहनायै सुरज्येष्ठादेव्यै नमः!!९०!!

ॐ चक्रहस्तायै सर्पवाहनायै सर्पराज्ञीदेव्यै नमः!!९१!!

!! इति यंत्रदेवता मण्डलम् !!



!! अथ कुण्ड देवता !!

ॐ विश्वकर्मणे नमः!!१!!

उपरि मेखलायां श्वेतवर्णालंकृतायां ॐ विष्णवे नमः!!२!!

मध्यमेखलायां रक्तवर्णालंकृतायां ॐ ब्रह्मणे नमः!!३!!

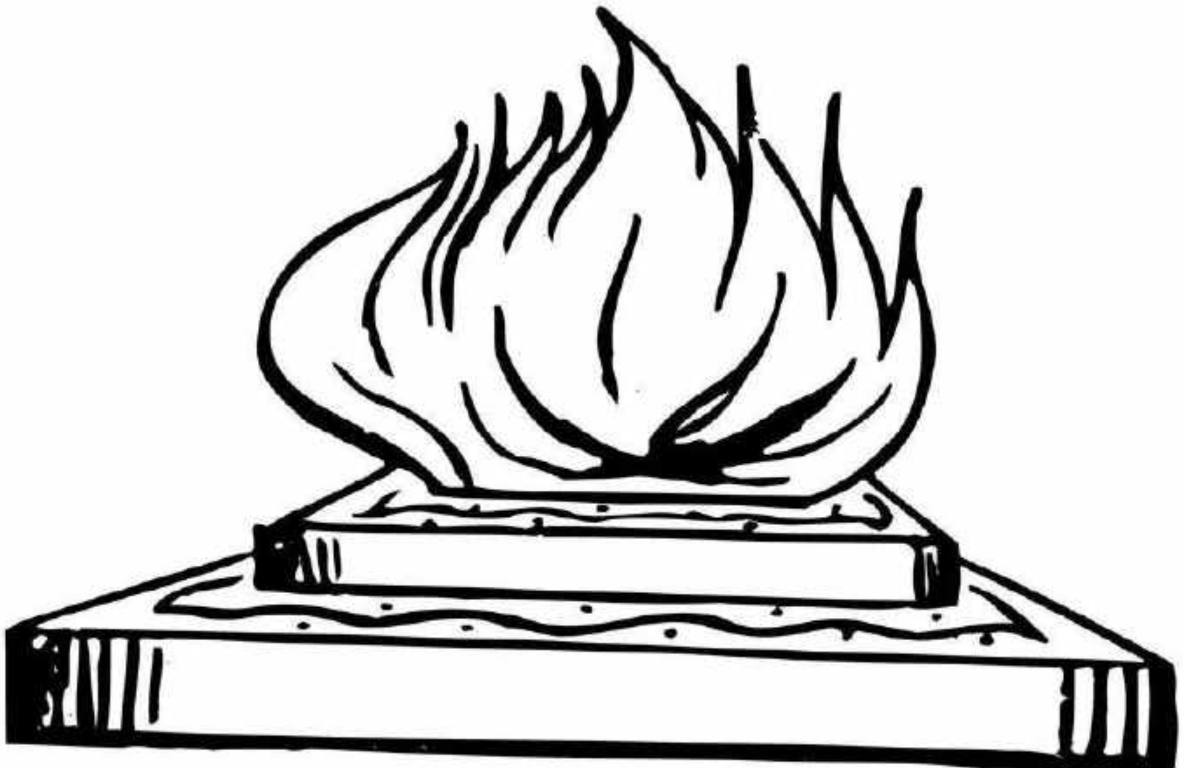
अधो मेखलायां कृष्णवर्णालंकृतायां ॐ रुद्राय नमः!!४!!

ॐ योन्यै नमः!!५!! ॐ कंठे रुद्राय नमः!!६!! ॐ नाभ्यै नमः!!७!!

ॐ वास्तुपुरुषाय नमः!!८!!

ॐ भूम्यै नमः!! ॐ कूर्माय नमः!! ॐ अनंताय नमः!!

!! इति कुण्ड देवता !!



!! अथ द्वारशाखा पूजनम् !!

ॐ स्थापितेयं मया शाखा शुभदा ऋद्धिदाऽस्तु मे !
सुस्थिरा च सदा भूयात् सर्वेषां हितकारिणी !!

दक्षिणशाखायाम् ॐ धात्रे नमः!!१!! वामशाखायाम् ॐ विधात्रे नमः!!२!!
ऊर्ध्वम् ॐ गणपतये नमः!!३!! अधो-देहल्याम ॐ देहल्यै नमः!!४!!
दक्षिणे ॐ चंडाय नमः!!५!! वामे ॐ प्रचंडाय नमः!!६!!
ऊर्ध्वे ॐ द्वारश्रियै नमः!!७!! अधो-देहल्यां ॐ वास्तुपुरुषाय नमः!!८!!
दक्षिनशाखायां ॐ गंगायै नमः!!९!! ॐ शंखनिधये नमः!!१०!!
वामशाखायां ॐ यमुनायै नमः!!११!! ॐ पद्मनिधये नमः!!१२!!
द्वारस्य-ऊर्ध्व-आग्नेय्यां ॐ गणपतये नमः!!१३!! अधः-नैऋत्यां ॐ दुर्गायै नमः!!१४!!
अधः-वायव्यां ॐ सरस्वत्यै नमः!!१५!! ऊर्ध्व-ईशान्यां ॐ क्षेत्रपालाय नमः!!१६!!

द्वारश्रियाद्यावाहित देवताभ्यो नमःपंचोपचारैःपूजनम् !!
वास्तुपुरुषाय नमःबलिदानम् !!

अपसर्पन्तु० !! भो ब्रह्मन् प्रविशामि !! प्रविशस्व !! शांतिसूक्तपाठः!! मंगलघोषः!!

ॐ धर्मार्थकाम सिद्ध्यर्थं पुत्रपौत्राभिवृद्धये !
मंदिरं प्रविशाम्यद्य सर्वदा मंगलं भवेत् !!१!!
ॐ यावत् चन्द्रश्च सूर्यश्च यावत् तिष्ठति मेदिनी !
तावत् त्वं मम वंशस्य मंगलाभ्युदयं कुरु !!२!!
ॐ धर्मस्थूणाराजं श्रीस्तूपमहोरात्रे द्वारफलके !
इन्द्रस्य गृहा वसुमन्तो वरूथिनस्तानहं प्रपद्ये सह प्रजया पशुभिःसह !!३!!
ॐ यन्मे किंचिदस्त्युपहूतःसर्वगण सखाय साधु संवृतः!
तान्वा शालेऽरिष्टवीरा गृहान्नःसन्तु सर्वे !!४!!

!! इति द्वारशाखा पूजनम् !!



!! अथ रेखादेवता !!(गृहवास्तु)

(दश रेखा पश्चिम से पूर्व कि ओर)

ॐ शान्तायै नमः!!१!! ॐ यशोवत्यै नमः!!२!! ॐ कान्तायै नमः!!३!! ॐ विशालायै नमः!!४!!
ॐ प्राणवाहिन्यै नमः!!५!! ॐ सत्यायै नमः!!६!! ॐ सुमत्यै नमः!!७!! ॐ नन्दायै नमः!!८!!
ॐ सुभद्रायै नमः!!९!! ॐ सुरथायै नमः!!१०!!

(दश रेखा दक्षिण से उत्तर कि ओर)

ॐ हिरण्यायै नमः!!१!! ॐ सुव्रतायै नमः!!२!! ॐ लक्ष्म्यै नमः!!३!! ॐ विभूत्यै नमः!!४!!
ॐ विमलायै नमः!!५!! ॐ प्रियायै नमः!!६!! ॐ जयायै नमः!!७!! ॐ ज्वालायै नमः!!८!!
ॐ विशोकायै नमः!!९!! ॐ इडायै नमः!!१०!!

!! अथ रेखादेवता !! (मंडपवास्तु)

(नव रेखा पश्चिम से पूर्व कि ओर)

ॐ लक्ष्म्यै नमः!!१!! ॐ यशोवत्यै नमः!!२!! ॐ कान्तायै नमः!!३!! ॐ सुप्रियायै नमः!!४!!
ॐ विमलायै नमः!!५!! ॐ शिवायै नमः!!६!!ॐ सुभगायै नमः!!७!! ॐ सुमत्यै नमः!!८!!
ॐ इडायै नमः!!९!!

(नव रेखा दक्षिण से उत्तर कि ओर)

ॐ धन्यायै नमः!!१!! ॐ प्राणायै नमः!!२!! ॐ विशालायै नमः!!३!! ॐ स्थिरायै नमः!!४!!
ॐ भद्रायै नमः!!५!! ॐ जयायै नमः!!६!! ॐ निशायै नमः!!७!! ॐ विरजायै नमः!!८!!
ॐ विभवायै नमः!!९!!

!! इति रेखादेवता !!



!! अथ मंडप वास्तुमण्डलम् !!

ॐ ब्रह्मणे नमः!!१!!
ॐ अर्यम्णे नमः!!२!!
ॐ मित्राय नमः!!३!!
ॐ पृथ्वीधराय नमः!!४!!
ॐ विवस्वते नमः!!५!!
ॐ सावित्राय नमः!!६!!
ॐ सवित्रे नमः!!७!!
ॐ विबुधाधिपाय नमः!!८!!
ॐ जयाय नमः!!९!!
ॐ राजयक्ष्मणे नमः!!१०!!
ॐ रुद्राय नमः!!११!!
ॐ अद्भ्यो नमः!!१२!!
ॐ आपवत्साय नमः!!१३!!
ॐ शिखिने नमः!!१४!!
ॐ पर्जन्याय नमः!!१५!!
ॐ जयंताय नमः!!१६!!
ॐ कुलिशाय नमः!!१७!!
ॐ सूर्याय नमः!!१८!!
ॐ सत्याय नमः!!१९!!
ॐ भृशाय नमः!!२०!!
ॐ आकाशाय नमः!!२१!!
ॐ वायवे नमः!!२२!!
ॐ पूष्णे नमः!!२३!!
ॐ वितथाय नमः!!२४!!
ॐ गृहक्षताय नमः!!२५!!
ॐ यमाय नमः!!२६!!
ॐ गंधर्वाय नमः!!२७!!
ॐ भृंगराजाय नमः!!२८!!
ॐ मृगाय नमः!!२९!!
ॐ पितृभ्यो नमः!!३०!!
ॐ दौवारिकाय नमः!!३१!!
ॐ सुग्रीवाय नमः!!३२!!
ॐ पुष्पदंताय नमः!!३३!!
ॐ वरुणाय नमः!!३४!!
ॐ असुराय नमः!!३५!!
ॐ शोषाय नमः!!३६!!
ॐ पापाय नमः!!३७!!
ॐ रोगाय नमः!!३८!!
ॐ अहये नमः!!३९!!
ॐ मुख्याय नमः!!४०!!
ॐ भल्लाटाय नमः!!४१!!
ॐ सोमाय नमः!!४२!!
ॐ उरगाय नमः!!४३!!
ॐ अदित्यै नमः!!४४!!
ॐ दित्यै नमः!!४५!!
ॐ चरक्यै नमः!!४६!!
ॐ विदार्यै नमः!!४७!!
ॐ पूतनायै नमः!!४८!!
ॐ पापराक्षस्यै नमः!!४९!!
ॐ स्कंदाय नमः!!५०!!
ॐ अर्यम्णे नमः!!५१!!
ॐ जृंभकाय नमः!!५२!!
ॐ पिलिपिच्छाय नमः!!५३!!
ॐ इंद्राय नमः!!५४!!
ॐ अग्नये नमः!!५५!!
ॐ यमाय नमः!!५६!!
ॐ निर्ऋतये नमः!!५७!!
ॐ वरुणाय नमः!!५८!!
ॐ वायवे नमः!!५९!!
ॐ कुबेराय नमः!!६०!!
ॐ ईशानाय नमः!!६१!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!६२!!
ॐ अनंताय नमः!!६३!!

!! इति मंडप वास्तुमण्डलम् !!

!! अथ विश्वदुर्गादि चतुःषष्ठीयोगिनी मण्डलम् !!

ॐ विश्वदुर्गायै नमः!!१!!
ॐ उद्योतिन्यै नमः!!२!!
ॐ मालाधार्यै नमः!!३!!
ॐ महामायायै नमः!!४!!
ॐ मायावत्यै नमः!!५!!
ॐ शुभायै नमः!!६!!
ॐ यशस्विन्यै नमः!!७!!
ॐ त्रिनेत्रायै नमः!!८!!
ॐ लोलजिह्वायै नमः!!९!!
ॐ शंखिन्यै नमः!!१०!!
ॐ यमघंटायै नमः!!११!!
ॐ कालिकायै नमः!!१२!!
ॐ चर्चिकायै नमः!!१३!!
ॐ यक्षिण्यै नमः!!१४!!
ॐ सरस्वत्यै नमः!!१५!!
ॐ चंडिकायै नमः!!१६!!
ॐ चित्रघंटायै नमः!!१७!!
ॐ सुगन्धायै नमः!!१८!!
ॐ कामाक्ष्यै नमः!!१९!!
ॐ भद्रकाल्यै नमः!!२०!!
ॐ परायै नमः!!२१!!
ॐ क्रान्तराक्ष्यै नमः!!२२!!
ॐ कोटराक्ष्यै नमः!!२३!!
ॐ नीलांकायै नमः!!२४!!
ॐ सर्वमंगलायै नमः!!२५!!
ॐ ललितायै नमः!!२६!!
ॐ त्वरितायै नमः!!२७!!
ॐ भुवनेश्वर्यै नमः!!२८!!
ॐ खड्गपाण्यै नमः!!२९!!
ॐ शूलिन्यै नमः!!३०!!
ॐ दंडिन्यै नमः!!३१!!
ॐ अम्बिकायै नमः!!३२!!
ॐ शूलेश्वर्यै नमः!!३३!!
ॐ बाणवत्यै नमः!!३४!!
ॐ धनुर्धर्यै नमः!!३५!!
ॐ महोल्लासायै नमः!!३६!!
ॐ विशालाक्ष्यै नमः!!३७!!
ॐ त्रिपुरायै नमः!!३८!!
ॐ भगमालिन्यै नमः!!३९!!
ॐ दीर्घकेश्यै नमः!!४०!!
ॐ घोरघोणायै नमः!!४१!!
ॐ वाराह्यै नमः!!४२!!
ॐ महोदर्यै नमः!!४३!!
ॐ कामेश्वर्यै नमः!!४४!!
ॐ गुह्येश्वर्यै नमः!!४५!!
ॐ भूतनाथायै नमः!!४६!!
ॐ महारवायै नमः!!४७!!
ॐ ज्योतिष्मत्यै नमः!!४८!!
ॐ कृत्तिवासायै नमः!!४९!!
ॐ मुंडिन्यै नमः!!५०!!

ॐ शववाहिन्यै नमः!!५१!!
ॐ शिवाङ्कायै नमः!!५२!!
ॐ लिङ्गहस्तायै नमः!!५३!!
ॐ भगवक्त्रायै नमः!!५४!!
ॐ गगनायै नमः!!५५!!
ॐ मेघवाहनायै नमः!!५६!!
ॐ मेघघोषायै नमः!!५७!!
ॐ नारसिंह्यै नमः!!५८!!
ॐ कालिन्यै नमः!!५९!!
ॐ श्रीधर्यै नमः!!६०!!
ॐ तेजस्यै नमः!!६१!!
ॐ श्यामायै नमः!!६२!!
ॐ मातंग्यै नमः!!६३!!
ॐ नरवाहनायै नमः!!६४!!
ॐ इन्द्राण्यै नमः!!६५!!
ॐ दुर्गायै नमः!!६६!!
ॐ जयायै नमः!!६७!!
ॐ विजयायै नमः!!६८!!
ॐ अजितायै नमः!!६९!!
ॐ विश्वमंगलायै नमः!!७०!!
ॐ भद्ररूपिण्यै नमः!!७१!!
ॐ भुवनेश्वर्यै नमः!!७२!!
ॐ श्रीराजराजेश्वर्यै नमः!!७३!!

!! इति विश्वदुर्गादि चतुःषष्ठीयोगिनी मण्डलम् !!

!! अथ चतुःषष्ठी भैरवमण्डलम् !!

ॐ श्रीमद् भैरवाय नमः!!१!!

ॐ शंभुभैरवाय नमः!!२!!

ॐ नीलकंठभैरवाय नमः!!३!!

ॐ विशालभैरवाय नमः!!४!!

ॐ मार्तंडभैरवाय नमः!!५!!

ॐ मनुप्रभभैरवाय नमः!!६!!

ॐ स्वच्छन्दभैरवाय नमः!!७!!

ॐ असिताङ्गभैरवाय नमः!!८!!

ॐ खेचरभैरवाय नमः!!९!!

ॐ संहारभैरवाय नमः!!१०!!

ॐ विरूपभैरवाय नमः!!११!!

ॐ विरूपाक्षभैरवाय नमः!!१२!!

ॐ नानारूपभैरवाय नमः!!१३!!

ॐ वराहभैरवाय नमः!!१४!!

ॐ रुरुभैरवाय नमः!!१५!!

ॐ कुंदवर्णभैरवाय नमः!!१६!!

ॐ सुगात्रभैरवाय नमः!!१७!!

ॐ उन्मत्तभैरवाय नमः!!१८!!

ॐ मेघनादभैरवाय नमः!!१९!!

ॐ मनोवेगभैरवाय नमः!!२०!!

ॐ क्षेत्रपालभैरवाय नमः!!२१!!

ॐ विपापहारभैरवाय नमः!!२२!!

ॐ निर्भयभैरवाय नमः!!२३!!

ॐ विजीतभैरवाय नमः!! २४!!

ॐ प्रेतभैरवाय नमः!!२५!!

ॐ लोकपालभैरवाय नमः!!२६!!

ॐ गदाधर भैरवाय नमः२७!!

ॐ वज्रहस्तभैरवाय नमः!!२८!!

ॐ महाकाल भैरवाय नमः!!२९!!

ॐ प्रचंडभैरवाय नमः!!३०!!

ॐ अजेयभैरवाय नमः!!३१!!

ॐ अन्तकभैरवाय नमः!!३२!!

ॐ भ्रामकभैरवाय नमः!!३३!!

ॐ संहारभैरवाय नमः!!३४!!

ॐ कुलपालभैरवाय नमः!!३५!!

ॐ चंडपालभैरवाय नमः!!३६!!

ॐ प्रजापालभैरवाय नमः!!३७!!

ॐ रक्तांगभैरवाय नमः!!३८!!

ॐ वेगावीक्षणभैरवाय नमः!!३९!!

ॐ अरुणभैरवाय नमः!!४०!!

ॐ धरापालभैरवाय नमः!!४१!!

ॐ कुंडलनेत्रभैरवाय नमः!!४२!!

ॐ मंत्रनाथभैरवाय नमः!!४३!!

ॐ रुद्रपितामहभैरवाय नमः!!४४!!

ॐ विष्णुभैरवाय नमः!!४५!!

ॐ बटुकनाथभैरवाय नमः!!४६!!

ॐ भूतनाथभैरवाय नमः!!४७!!

ॐ वेतालभैरवाय नमः!!४८!!

ॐ त्रिनेत्रभैरवाय नमः!!४९!!

ॐ त्रिपुरान्तकभैरवाय नमः!!५०!!

ॐ वरदभैरवाय नमः

ॐ पर्वतवासभैरवाय नमः!!५१!!

ॐ शशिसकलभूषणभैरवाय नमः!!५२!!

ॐ सर्वभूतह्लदयभैरवाय नमः!!५३!!

ॐ घोरसायकभैरवाय नमः!!५४!!

ॐ भयंकरभैरवाय नमः!!५५!!

ॐ भुक्तिमुक्तिप्रदभैरवाय नमः!!५६!!

ॐ कालाग्निभैरवाय नमः!!५७!!

ॐ महारुद्रभैरवाय नमः!!५८!!

ॐ भयानकभैरवाय नमः!!६०!!

ॐ दक्षिणमुखभैरवाय नमः!!६१!!

ॐ भीषणभैरवाय नमः!!६२!!

ॐ क्रोधभैरवाय नमः!!६३!!

ॐ सुखसंपत्तिदायकभैरवाय नमः!!६४!!

!! इति चतुःषष्ठी भैरवमण्डलम् !!

!! अथ जलयात्रा देवता !!

!! जलमातृका !! ॐ मत्स्यै नमः!!१!! ॐ कूर्म्यै नमः!!२!! ॐ वाराह्यै नमः!!३!!
ॐ मांडूक्यै नमः!!४!! ॐ मकर्यै नमः!!५!! ॐ ग्राहक्यै नमः!!६!!
ॐ क्रौंचिक्यै नमः!!७!!

!! सप्तजीवमातृका !! ॐ कुमार्यै नमः!!१!! ॐ धनदायै नमः!!२!! ॐ नन्दायै नमः!!३!!
ॐ विमलायै नमः!!४!! ॐ मंगलायै नमः!!५!!
ॐ अचलायै नमः!!६!! ॐ पद्मायै नमः!!७!!

!! सप्तस्थलमातृका !! ॐ उर्म्यै नमः!!१!! ॐ लक्ष्म्यै नमः!!२!! ॐ महामायायै नमः!!३!!
ॐ पानादेव्यै नमः!!४!! ॐ वारुण्यै नमः!!५!!
ॐ निर्मलायै नमः!!६!! ॐ गौधायै नमः!!७!!

(७ पुंजेषु) ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!१!!
(जल मध्ये) ॐ दिव्यादि चतुःषष्टि योगिनिभ्यो नमः!!२!!
(वायव्य कोणे त्रिकोण मंडले) ॐ एकपञ्चाशत् क्षेत्रपाल देवताभ्यो नमः!!३!!
(जलमध्ये) ॐ अद्भ्यो नमः!! ॐ पुष्करादि तीर्थेभ्यो नमः!!१!!

(जल मे पंचामृत प्रक्षेप करे ओर स्रुव से आज्य से द्वादश आहुति देवे)

ॐ अद्भ्यःस्वाहा ! इदं अदभ्यो नमम !!१!! ॐ वार्भ्यःस्वाहा०!!२!!
ॐ उदकाय स्वाहा०!!३!! ॐ तिष्ठन्तीभ्यःस्वाहा०!!४!!
ॐ स्त्रवन्तीभ्यःस्वाहा०!!५!! ॐ स्यन्दमानाभ्यःस्वाहा०!!६!!
ॐ कूपाभ्यःस्वाहा०!!७!! ॐ सूद्याभ्यःस्वाहा०!!८!! ॐ धायाभ्य स्वाहा०!!९!!
ॐ अर्णवाय स्वाहा०!!१०!! ॐ समुद्राय स्वाहा०!!११!!
ॐ सरिताय स्वाहा०!!१२!!

ॐ वरुणस्योत्तंभनमसि० मंत्र से ३ आहुति देवे !!१!!

!! इति जलयात्रा देवता !!

!! अथ मंडपप्रवेश (षोडश स्तंभ पूजन)!!

(१) ईशान-स्तंभ ॐ ब्रह्मणे नमः!!१!! ॐ सावित्र्यै नमः!!२!!
ॐ ब्राह्मयै नमः!!३!! ॐ गंगायै नमः!!४!!

(२) अग्नि-स्तंभ ॐ विष्णवे नमः!!१!! ॐ लक्ष्म्यै नमः!!२!!
ॐ नंदायै नमः!!३!! ॐ वैष्णव्यै नमः!!४!!

(३) नैऋत्य-स्तंभ ॐ शिवाय नमः!!१!! ॐ माहेश्वर्यै नमः!!२!!
ॐ गोर्यै नमः!!३!! ॐ शोभनायै नमः!!४!!

(४) वायव्य-स्तंभ ॐ इन्द्राय नमः!!१!! ॐ इन्द्राण्यै नमः!!२!!
ॐ आनन्दायै नमः!!३!! ॐ विभूत्यै नमः!!४!!

(५) बहिः-ईशाने ॐ सूर्याय नमः!!१!! ॐ सावित्र्यै नमः!!२!!
ॐ मंगलायै नमः!!३!! ॐ भूत्यै नमः!!४!!

(६) ईशान पूर्वतोर्मध्ये ॐ गणपतये नमः!!१!! ॐ विघ्नहारिण्यै नमः!!२!!
ॐ जयायै नमः!!३!! ॐ सरस्वत्यै नमः!!४!!

(७) पूर्वाग्नेययोर्मध्ये ॐ यमाय नमः!!१!! ॐ संध्यायै नमः!!२!!
ॐ क्रूरायै नमः!!३!! ॐ नियन्त्र्यै नमः!!४!!

(८) बहिः-अग्नये ॐ शेषाय नमः!!१!! ॐ अधरायै नमः!!२!!
ॐ पद्मायै नमः!!३!! ॐ महापद्मायै नमः!!४!!

(९) आग्नेय दक्षिणयोर्मध्ये ॐ स्कन्दाय नमः!!१!! ॐ जयायै नमः!!२!!
ॐ विजयायै नमः!!३!! ॐ पश्चिम संध्यायै नमः!!४!!

(१०) दक्षिण नैऋत्य मध्ये ॐ वायवे नमः!!१!! ॐ तीव्रायै नमः!!२!!
ॐ गायत्र्यै नमः!!३!! ॐ वायव्यै नमः!!४!!

(११) बहिः-नैऋत्ये — ॐ सोमाय नमः!!१!! ॐ सावित्र्यै नमः!!२!!
ॐ अमृतकलायै नमः!!३!! ॐ विजयायै नमः!!४!!

(१२) पश्चिम-नैऋत्ययोर्मध्ये — ॐ वरुणाय नमः!!१!! ॐ वारुण्यै नमः!!२!!
ॐ वार्हस्पत्यै नमः!!३!! ॐ पाशधारिण्यै नमः!!४!!

(१३) पश्चिम वायव्ययोर्मध्ये — ॐ वसुभ्यो नमः!!१!! ॐ विनतायै नमः!!२!!
ॐ गरिमायै नमः!!३!! ॐ संभूत्यै नमः!!४!!

(१४) बहिः-वायव्ये — ॐ धनदाय नमः!!१!! ॐ अदित्यै नमः!!२!!
ॐ सिनीवाल्यै नमः!!३!! ॐ लधिमायै नमः!!४!!

(१५) वायव्योत्तर मध्ये — ॐ बृहस्पतये नमः!!१!! ॐ पौर्णमास्यै नमः!!२!!
ॐ वेदमात्रे नमः!!३!! ॐ सन्नत्यै नमः!!४!!

(१६) उत्तरेशानयोर्मध्ये — ॐ विश्वकर्मणे नमः!!१!! ॐ वास्तुदेवतायै नमः!!२!!
ॐ विश्वकर्मण्यै नमः!!३!! ॐ शारदायै नमः!!४!!

!! इति षोडश स्तंभ पूजन !!



!! अथ तोरण पूजन !!

(१) पूर्व-द्वार ! ॐ ऋग्वेदाधिष्ठिताय सुदृढतोरणाय नमः!!१!!
अत्रैव कृतयुगाय नमः!!२!! ॐ राहवे नमः!!३!!
ॐ बृहस्पतये नमः!!४!!

यहाँ एक कलश स्थापित करे उसकी सविधि पूजा करे ! उसके ऊपर नारिकेल रखे ! कलश में ध्रुव की पूजा करे ! ॐ ध्रुवाय नमः!!

(२) दक्षिण-द्वार ॐ यजुर्वेदाधिष्ठिताय विकटतोरणाय नमः!!१!!
अत्रैव त्रेतायुगाय नमः!!२!! ॐ सूर्याय नमः!!३!!
ॐ अङ्गारकाय नमः!!४!!

यहाँ एक कलश स्थापित करे उसकी सविधि पूजा करे ! उसके ऊपर नारिकेल रखे ! कलश में पूजा करे ! ॐ धरायै नमः!!

(३) पश्चिम-द्वार ॐ सामवेदाधिष्ठिताय सुभीमतोरणाय नमः!!१!!
अत्रैव ॐ द्वापरयुगाय नमः!!२!! ॐ शुक्राय नमः!!३!!
ॐ बुधाय नमः!!४!!

यहाँ एक कलश स्थापित करे उसकी सविधि पूजा करे ! उसके ऊपर नारिकेल रखे ! कलश में पूजा करे ! ॐ वाक्पतये नमः!!

(४) उत्तर-द्वार ॐ अथर्ववेदाधिष्ठिताय सुभ्रमतोरणाय नमः!!१!!
अत्रैव ॐ सोमाय नमः!!२!! ॐ केतवे नमः!!३!!
ॐ शनैश्चराय नमः!!४!!

यहाँ एक कलश स्थापित करे उसकी सविधि पूजा करे ! उसके ऊपर नारिकेल रखे ! कलश में पूजा करे ! ॐ विघ्नेशाय नमः!!

!! इति तोरण पूजन !!



!! अथ दिक्पाल एवं द्वारशाखा पूजनम् !!

पूर्वद्वार — द्वारशाखा के पास दो कलश (दध्यक्षतादि युक्तं) रखे. उसके ऊपर घृतदीप-तैलदिप रखे.तत्र ॐ ऐरावतदिग्गजाय नमः!!
यह्रा सूक्त पाठ करने के लिये ऋग्वेदीय ब्राह्मण का पूजन करे !

द्वारशखायाम् — दक्षिणे ॐ धात्रे नमः!! उत्तरे ॐ विधात्रे नमः!!
ऊर्ध्वे ॐ द्वारश्रियै नमः!! ॐ गणपतये नमः!!
ॐ वास्तुपुरुषाय नमः!! अधो ॐ देहल्यै नमः!!
वामस्तंभे ॐ गणेशाय नमः!! दक्षिणस्तंभे ॐ स्कन्दाय नमः!!

कलशद्वये — ॐ गंगायै नमः!! ॐ यमुनायै नमः!! ॐ इन्द्राय नमः!!
पीत ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा — ॐ इन्द्राय साङ्गाय सपरिवाराय सवाह्नाय सायुधाय सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

अग्निस्तंभे — पूर्ववत्कलश स्थापनम् तत्र ॐ पुण्डरिकदिग्गजाय नमः!!
ॐ अग्नये नमः!!
रक्त ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा — ॐ अग्नये साङ्गाय सपरिवाराय सवाह्नाय सायुधाय सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

दक्षिणद्वार	द्वारशाखा के पास दो कलश (दध्यक्षतादि युक्तं) रखे.

ऊसके ऊपर घृतदीप-तैलदिप रखे.तत्र ॐ वामनायदिग्गजाय नमः!!

यह्रा सूक्त पाठ करने के लिये यजुर्वेदीय ब्राह्मण का पूजन करे !

द्वारशाखायाम्	वामे ॐ बलाय नमः!! दक्षिणे ॐ सबलाय नमः!! ऊर्ध्वे ॐ श्रियै नमः!!

ॐ गणपतये नमः!! अधो ॐ देहल्यै नमः!! ॐ वास्तुपुरुषाय नमः!!

दक्षिणस्तंभयो ॐ पुष्पदंताय नमः!! वामस्तंभयो ॐ कपर्दिने नमः!!

कलशद्वये	ॐ गोदावर्यै नमः!! ॐ कृष्णायै नमः!! ॐ यमाय नमः!!

कृष्ण ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा ॐ यमाय साङ्गाय सपरिवाराय सवाहनाय सायुधाय

सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

नैऋत्यस्तंभे	पूर्ववत्कलश स्थापनम् तत्र ॐ कुमुदायदिग्गजाय नमः!!

ॐ नैऋतये नमः!!

नीलवर्ण ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा ॐ निऋतये साङ्गाय सपरिवाराय सवाहनाय सायुधाय

सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

पश्चिमद्वार द्वारशाखा के पास दो कलश (दध्यक्षतादि युक्तं) रखे.
उसके उपर घृतदीप-तैलदिप रखे.तत्र ॐ अंजनाख्यादिग्गजाय नमः!!

यहा सूक्त पाठ करने के लिये सामवेदीय ब्राह्मण का पूजन करे !

द्वारशाखायाम् वामे ॐ जयाये नमः!! दक्षिणे ॐ विजयाये नमः!! ऊर्ध्वे ॐ श्रियै नमः!!
ॐ गणपतये नमः!! अधो ॐ देहल्यै नमः!! ॐ वास्तुपुरुषाय नमः!!
दक्षिणस्तंभयो ॐ चन्द्राय नमः!! वामस्तंभयो ॐ नन्दिने नमः!!

कलशद्वये ॐ रेवायै नमः!! ॐ नर्मदायै नमः!! ॐ वरुणाय नमः!!

श्वेत ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा ॐ वरुणाय साङ्गाय सपरिवाराय सवाहनाय सायुधाय
सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

वायव्यस्तंभे पूर्ववत्कलश स्थापनम् तत्र ॐ पुष्पदंतायदिग्गजाय नमः!!
ॐ वायवे नमः!!

धूम्रवर्ण ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा ॐ वायवे साङ्गाय सपरिवाराय सवाहनाय सायुधाय
सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

उत्तरद्वार द्वारशाखा के पास दो कलश (दध्यक्षतादि युक्तं) रखे.
उसके उपर घृतदीप-तैलदिप रखे.तत्र ॐ सार्वभौमदिग्गजाय नमः!!

यह्रा सूक्त पाठ करने के लिये अथर्ववेदीय ब्राह्मण का पूजन करे !

द्वारशाखायाम् वामे ॐ चण्डाय नमः!! दक्षिणे ॐ प्रचण्डाय नमः!! ऊर्ध्वे ॐ श्रियै नमः!!
ॐ गणपतये नमः!! अधो ॐ देहल्यै नमः!! ॐ वास्तुपुरुषाय नमः!!
दक्षिणस्तंभयो ॐ भृङ्गिने नमः!! वामस्तंभयो ॐ महाकालाय नमः!!

कलशद्वये ॐ वारुण्यै नमः!! ॐ वेण्यै नमः!! ॐ सोमाय नमः!!

श्वेत वा हरित ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा ॐ सोमाय साङ्गाय सपरिवाराय सवाह्नाय सायुधाय
सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

ईशानस्तंभे पूर्ववत्कलश स्थापनम् तत्र ॐ सुप्रतीकायदिग्गजाय नमः!!
ॐ ईशानाय नमः!!

श्वेत वा पंचवर्ण ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा ॐ ईशानाय साङ्गाय सपरिवाराय सवाह्नाय सायुधाय
सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

ईशानपूर्वयोर्मध्य स्तंभे ऊर्ध्वमुद्दिश्य कलशस्थापनं विनैव तत्र ॐ ब्रह्मणे नमः!!
रक्तवर्ण ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा ॐ ब्रह्मणे साङ्गाय सपरिवाराय सवाह्नाय सायुधाय
सशक्तिकाय माषभक्त बलिं समर्पयामि !

निऋतिवरुणोर्मध्य स्तंभे अध उद्दिश्य कलशस्थापनं विनैव तत्र

ॐ अनन्ताय नमः!!

धूम्रवर्ण वा श्वेत ध्वज-पताका का पूजन करें ॐ ध्वजायै नमः!! ॐ पताकायै नमः!!

ततोमाषभक्तबलिं दत्वा ॐ अनन्ताय साङ्गाय सपरिवाराय सवाहनाय सायुधाय सशक्तिकायमाषभक्त बलिं समर्पयामि !

महाध्वज (मण्डपमध्ये वा ईशाने)

पंचवर्ण का महाध्वज दश या सौलह हाथ के दण्ड सहित

ॐ इन्द्राय नमः!! ॐ ब्रह्मणे नमः!! ॐ दण्डाय नमः!!

पूर्वदिशा मे मण्डप के बाहर भूमि का लेपन करे तथा सब देवो की बलि विशेष मात्रा में सामूहिक एक जगह प्रदान करे तथा दीप प्रदान करे !

ॐ ब्रह्मणे नमः! ॐ विष्णवे नमः! ॐ शिवाय नमः! ॐ देवेभ्यो नमः!
ॐ दानवेभ्यो नमः! ॐ गंधर्वेभ्यो नमः! ॐ यक्षेभ्यो नमः! ॐ राक्षसेभ्यो नमः!
ॐ पन्नगेभ्यो नमः! ॐ ऋषिभ्यो नमः! ॐ मानुष्येभ्यो नमः! ॐ गोभ्यो नमः!
ॐ देवमातृभ्यो नमः! माषभक्त बलिं सदिपं समर्पयामि !

!! इति दिक्पाल एवं द्वारशाखा पूजनम् !!

!! अथ वारुण मण्डलम् !!

ॐ सूर्याय नमः!!१!!
ॐ सोमाय नमः!!२!!
ॐ भौमाय नमः!!३!!
ॐ बुधाय नमः!!४!!
ॐ बृहस्पतये नमः!!५!!
ॐ शुक्राय नमः!!६!!
ॐ शनैश्चराय नमः!!७!!
ॐ राहवे नमः!!८!!
ॐ केतवे नमः!!९!!
ॐ इन्द्राय नमः!!१०!!
ॐ अग्नये नमः!!११!!
ॐ यमाय नमः!!१२!!
ॐ निऋतये नमः!!१३!!
ॐ वरुणाय नमः!!१४!!
ॐ वायवे नमः!!१५!!
ॐ सोमाय नमः!!१६!!
ॐ ईशानाय नमः!!१७!!
ॐ एकादशरुद्रेभ्यो नमः!!१८!!
ॐ द्वादशदित्येभ्यो नमः!!१९!!
ॐ अश्विभ्यां नमः!!२०!!
ॐविश्वेभ्यो देवेभ्यो !!२१!!
ॐ पितृभ्यो नमः!!२२!!
ॐ सप्तयक्षेभ्यो नमः!!२३!!
ॐ भूतनागेभ्यो नमः!!२४!!
ॐ गन्धर्वाप्सरोभ्यो नमः!!२५!!
ॐ स्कंदाय नमः!!२६!!
ॐ दक्षाय नमः!!२७!!
ॐ दुर्गायै नमः!!२८!!
ॐ विष्णवे नमः!!२९!!
ॐ स्वधायै नमः!!३०!!
ॐ मृत्यवे नमः!!३१!!
ॐ गणपतये नमः!!३२!!
ॐ अद्भ्यो नमः!!३३!!
ॐ वरुणाय नमः!!३४!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!३५!!
ॐ विष्णवे नमः!!३६!!
ॐ रुद्राय नमः!!३७!!
ॐ लक्ष्म्यै नमः!!३८!!
ॐ अंबिकायै नमः!!३९!!
ॐ सावित्र्यै नमः!!४०!!
ॐ गंगादिनदीभ्यो नमः!!४१!!
ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!४२!!
ॐ भूतग्रामाय नमः!!४३!!
ॐ मेरवे नमः!!४४!!
ॐ गदायै नमः!!४५!!
ॐ त्रिशूलायै नमः!!४६!!
ॐ वज्राय नमः!!४७!!
ॐ शक्त्यै नमः!!४८!!
ॐ दण्डाय नमः!!४९!!
ॐ खड्गाय नमः!!५०!!

ॐ पाशाय नमः!!५१!!

ॐ अंकुशाय नमः!!५२!!

ॐ गौतमायै नमः!!५३!!

ॐ भरद्वाजायै नमः!!५४!!

ॐ विश्वामित्रायै नमः!!५५!!

ॐ कश्यपायै नमः!!५६!!

ॐ जमदग्नये नमः!!५७!!

ॐ वसिष्ठायै नमः!!५८!!

ॐ अत्रये नमः!!५९!!

ॐ अरुन्धत्यै नमः!!६०!!

ॐ ऐन्द्यै नमः!!६१!!

ॐ कौमार्यै नमः!!६२!!

ॐ ब्राह्म्यै नमः!!६३!!

ॐ वाराह्यै नमः!!६४!!

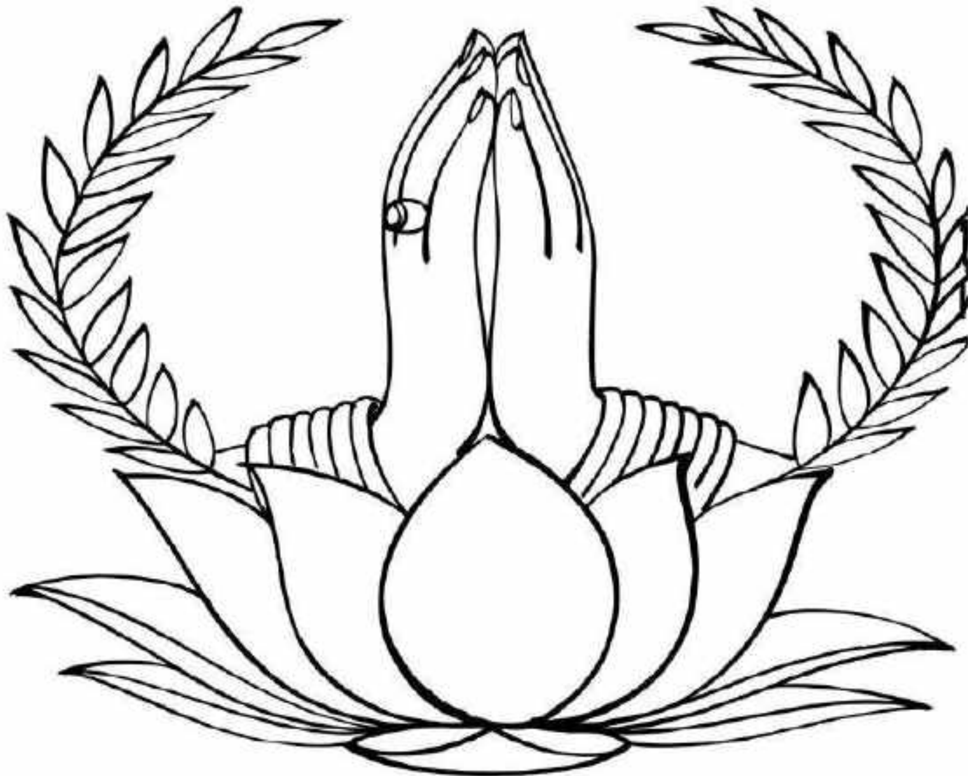
ॐ चामुण्डायै नमः!!६५!!

ॐ वैष्णव्यै नमः!!६६!!

ॐ माहेश्वर्यै नमः!!६७!!

ॐ वैनायक्यै नमः!!६८!!

!! इति वारुण मण्डलम् !!



!! अथ एकलिङ्गतो भद्रमण्डलम् !!

मध्य लिङ्गेषु--ॐ महादेवाय ईशानाय नमः!!१!!

ॐ ब्रह्मणे नमः!!२!!
ॐ सोमाय नमः!!३!!
ॐ ईशानाय नमः!!४!!
ॐ इंद्राय नमः!!५!!
ॐ अग्नये नमः!!६!!
ॐ यमाय नमः!!७!!
ॐ नैऋत्ये नमः!!८!!
ॐ वरुणाय नमः!!९!!
ॐ वायवे नमः!!१०!!
ॐ अष्टवसुभ्यो नमः!!११!!
ॐ एकादशरुद्रेभ्यो नमः!!१२!!
ॐ द्वादशदित्येभ्यो नमः!!१३!!
ॐ अश्विभ्यां नमः!!१४!!
ॐ सपैतृकविश्वेभ्यो देवेभ्यो !!१५!!
ॐ सप्तयक्षेभ्यो नमः!!१६!!
ॐ भूतनागेभ्यो नमः!!१७!!
ॐ गन्धर्वाप्सरोभ्यो नमः!!१८!!
ॐ स्कन्दाय नमः!!१९!!
ॐ नन्दीश्वराय नमः!!२०!!
ॐ शूलमहाकालाभ्यां नमः!!२१!!
ॐ दुर्गायै नमः!!२२!!
ॐ विष्णवे नमः!!२३!!
ॐ स्वधासहितपितृभ्यो नमः!!२४!!

ॐ मृत्युरोगाभ्यां नमः!!२५!!
ॐ गणपतये नमः!!२६!!
ॐ अद्भ्यो नमः!!२७!!
ॐ मरुद्भ्यो नमः!!२८!!
ॐ पृथिव्यै नमः!!२९!!
ॐ गंगादिनदीभ्यो नमः!!३०!!
ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!३१!!
ॐ मेरवे नमः!!३२!!
ॐ गदायै नमः!!३३!!
ॐ त्रिशूलायै नमः!!३४!!
ॐ वज्राय नमः!!३५!!
ॐ शक्त्यै नमः!!३६!!
ॐ दण्डाय नमः!!३७!!
ॐ खड्गाय नमः!!३८!!
ॐ पाशाय नमः!!३९!!
ॐ अंकुशाय नमः!!४०!!
ॐ गौतमायै नमः!!४१!!
ॐ भरद्वाजायै नमः!!४२!!
ॐ विश्वामित्रायै नमः!!४३!!
ॐ कश्यपायै नमः!!४४!!
ॐ जमदग्नये नमः!!४५!!
ॐ वसिष्ठायै नमः!!४६!!
ॐ अत्रये नमः!!४७!!

ॐ अरुन्धत्यै नमः!!४८!!
ॐ ऐन्द्यै नमः!!४९!!
ॐ कौमार्यै नमः!!५०!!
ॐ ब्राह्मयै नमः!!५१!!
ॐ वाराह्यै नमः!!५२!!
ॐ चामुण्डायै नमः!!५३!!
ॐ वैष्णव्यै नमः!!५४!!
ॐ माहेश्वर्यै नमः!!५५!!
ॐ वैनायक्यै नमः!!५६!!
ॐ असिताङ्गभैरवाय नमः!!५७!!
ॐ रुरुभैरवाय नमः!!५८!!
ॐ चंडभैरवाय नमः!!५९!!
ॐ क्रोधभैरवाय नमः!!६०!!
ॐ उन्मत्तभैरवाय नमः!!६१!!
ॐ भीषणभैरवाय नमः!!६२!!
ॐ संहारकभैरवाय नमः!!६३!!
ॐ अनंताय नमः!!६४!!
ॐ वासुकये नमः!!६५!!
ॐ तक्षकाय नमः!!६६!!
ॐ कुलिशाय नमः!!६७!!
ॐ कर्कोटकाय नमः!!६८!!
ॐ शंखपालाय नमः!!६९!!
ॐ कंबलाय नमः!!७०!!

ॐ अश्वतराय नमः!!७१!!
ॐ शूलिने नमः!!७२!!
ॐ चंद्रमौलिये नमः!!७३!!
ॐ वृषध्वजाय नमः!!७४!!
ॐ त्रिलोचनाय नमः!!७५!!
ॐ शक्तिधराय नमः!!७६!!
ॐ महेश्वराय नमः!!७७!!
ॐ शूलपाणये नमः!!७८!!
ॐ महादेवाय नमः!!७९!!
ॐ परिधये नमः!!८०!!
ॐ चतुःपुरीभ्यो नमः!!८१!!
ॐ ऋग्वेदाय नमः!!८२!!
ॐ यजुर्वेदाय नमः!!८३!!
ॐ सामवेदाय नमः!!८४!!
ॐ अथर्ववेदाय नमः!!८५!!
ॐ भवान्यै नमः!!८६!!
ॐ शर्वाण्यै नमः!!८७!!
ॐ पाशुपत्यै नमः!!८८!!
ॐ ईशान्यै नमः!!८९!!
ॐ उग्रायै नमः!!९०!!
ॐ रुद्राण्यै नमः!!९१!!
ॐ भीमायै नमः!!९२!!
ॐ महत्यै नमः!!९३!!

!! इति एकलिङ्गतो भद्रमण्डलम् !!

!! अथ चतुर्लिंगतो भद्रमण्डलम् !!

{ पूर्वलिंगेषु } ॐ वीरभद्राय नमः!!१!!ॐ शंभवे नमः!!२!!ॐ अजैकपदे नमः!!३!!

{ दक्षिणलिंगेषु }ॐ अहिर्बुध्न्याय नमः!!१!! ॐ पिनाकने नमः!!२!!ॐ शूलपाणये नमः!!३!!

{ पश्चिमलिंगेषु }ॐ भुवनाधिश्वराय नमः!!१!!ॐ कपालिने नमः!!२!!ॐ दिकपतये नमः!!३!!

{ उत्तरलिंगेषु } ॐ रुद्राय नमः!!१!! ॐ शिवाय नमः!!२!! ॐ महेश्वराय नमः!!३!!

ॐ असिताङ्गभैरवाय नमः!!१!!
ॐ रुरुभैरवाय नमः!!२!!
ॐ चंडभैरवाय नमः!!३!!
ॐ क्रोधभैरवाय नमः!!४!!
ॐ उन्मत्तभैरवाय नमः!!५!!
ॐ कपालभैरवाय नमः!!६!!
ॐ भीषणभैरवाय नमः!!७!!
ॐ संहारकभैरवाय नमः!!८!!
ॐ भवाय नमः!!९!!
ॐ शर्वाय नमः!!१०!!
ॐ रुद्राय नमः!!११!!
ॐ पशुपतये नमः!!१२!!
ॐ महते नमः!!१३!!
ॐ भीमाय नमः!!१४!!
ॐ ईशानाय नमः!!१५!!
ॐ अनन्ताय नमः!!१६!!
ॐ तक्षकाय नमः!!१७!!
ॐ वासुकये नमः!!१८!!
ॐ कुलिशाय नमः!!१९!!
ॐ कर्कोटकाय नमः!!२०!!
ॐ शंखपालाय नमः!!२१!!
ॐ कंबलाय नमः!!२२!!
ॐ अश्वतराय नमः!!२३!!
ॐ शूलिने नमः!!२४!!
ॐ चंद्रमौलिये नमः!!२५!!
ॐ वृषध्वजाय नमः!!२६!!
ॐ त्रिलोचनाय नमः!!२७!!
ॐ शक्तिधराय नमः!!२८!!
ॐ महेश्वराय नमः!!२९!!
ॐ शूलधारिणे नमः!!३०!!
ॐ स्थाणवे नमः!!३१!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!३२!!
ॐ सोमाय नमः!!३३!!
ॐ ईशानाय नमः!!३४!!
ॐ इन्द्राय नमः!!३५!!
ॐ अग्नये नमः!!३६!!
ॐ यमाय नमः!!३७!!
ॐ निऋतये नमः!!३८!!

ॐ वरुणाय नमः!!३९!!

ॐ वायवे नमः!!४०!!

ॐ अष्टवसुभ्यो नमः!!४१!!

ॐ एकादशरुद्रेभ्यो नमः!!४२!!

ॐ द्वादशदित्येभ्यो नमः!!४३!!

ॐ अश्विभ्यां नमः!!४४!!

ॐ सपैतृकविश्वेभ्यो देवेभ्यो नमः!!४५!!

ॐ सप्तयक्षेभ्यो नमः!!४६!!

ॐ भूतनागेभ्यो नमः!!४७!!

ॐ गन्धर्वाप्सरोभ्यो नमः!!४८!! ....

ॐ स्कन्दाय नमः!!४९!!

ॐ नन्दीश्वराय नमः!!५०!!

ॐ शूलमहाकालाभ्यां नमः!!५१!!

ॐदक्षदिसप्तकाय नमः!!५२!!

ॐ दुर्गायै नमः!!५३!!

ॐ विष्णवे नमः!!५४!!

ॐ स्वधायै नमः!!५५!!

ॐ मृत्युरोगाभ्यां नमः!!५६!!

ॐ गणपतये नमः!!५७!!

ॐ अद्भ्यो नमः!!५८!!

ॐ मरुद्भ्यो नमः!!५९!!

ॐ पृथिव्यै नमः!!६०!!

ॐ गंगादिनदीभ्यो नमः!!६१!!

ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!६२!!

ॐ मेरवे नमः!!६३!!

ॐ सद्योजाताय नमः६४!!

ॐ वामदेवाय नमः!!६५!!

ॐ अघोराय नमः!!६६!!

ॐ तत्पुरुषाय नमः!!६७!!

ॐ ईशानाय नमः!!६८!!

ॐ परिधये नमः!!६९!!

ॐ चतुःपरीभ्यो नमः!!७०!!

ॐ ऋग्वेदाय नमः!!७१!!

ॐ यजुर्वेदाय नमः!!७२!!

ॐ सामवेदाय नमः!!७३!!

ॐ अथर्ववेदाय नमः!!७४!!

ॐ भवाय नमः!!७५!!

ॐ शर्वाय नमः!!७६!!

ॐ पशुपतये नमः!!७७!!

ॐ ईशानाय नमः!!७८!!

ॐ उग्राय नमः!!७९!!

ॐ रुद्राय नमः!!८०!!

ॐ भीमाय नमः !!८१!!

ॐ महते नमः!!८२!!

ॐ भवान्यै नमः!!८३!!

ॐ शर्वाण्यै नमः!!८४!!

ॐ पाशुपत्यै नमः!!८५!!

ॐ ईशान्यै नमः!!८६!!

ॐ उग्रायै नमः!!८७!!

ॐ रुद्राण्यै नमः!!८८!!

ॐ भीमायै नमः!!८९!!

ॐ महत्यै नमः!!९०!!

ॐ पृथ्वी तत्वाय नमः!!९१!!

ॐ जल तत्वाय नमः९२!!

ॐ तेज तत्वाय नमः!!९३!!

ॐ वायु तत्वाय नमः!!९४!!

ॐ आकाश तत्वाय नमः!!९५!!

ॐ गदायै नमः!!९६!!

ॐ त्रिशूलायै नमः!!९७!!

ॐ वज्राय नमः!!९८!!

ॐ शक्त्यै नमः!!९९!!

ॐ दण्डाय नमः!!१००!!

ॐ खड्गाय नमः!!१०१!!

ॐ पाशाय नमः!!१०२!!

ॐ अंकुशाय नमः!!१०३!!

ॐ गौतमायै नमः!!१०४!!

ॐ भरद्वाजायै नमः!!१०५!!

ॐ विश्वामित्रायै नमः!!१०६!!

ॐ कश्यपायै नमः!!१०७!!

ॐ जमदग्नये नमः!!१०८!!

ॐ वसिष्ठायै नमः!!१०९!!

ॐ अत्रये नमः!!११०!!

ॐ अरुन्धत्यै नमः!!१११!!

ॐ ऐन्द्यै नमः!!११२!!

ॐ कौमार्यै नमः !!११३!!

ॐ ब्राह्मयै नमः!!११४!!

ॐ वाराह्यै नमः!!११५!!

ॐ चामुण्डायै नमः!!११६!!

ॐ वैष्णव्यै नमः!!११७!!

ॐ माहेश्वर्यै नमः!!११८!!

ॐ वैनायक्यै नमः!!११९!!

!! इति चतुर्लिंगतो भद्रमण्डलम् !!

!! अथ अष्टलिङ्गतो भद्रमण्डलम् !!

पूर्वलिङ्गयोःउत्तरलिङ्गे-ॐ भवाय नमः!!१!! दक्षिणलिङ्गे- ॐ शर्वाय नमः!!२!!
दक्षिणलिङ्गयोःपूर्वलिङ्गे-ॐ ईशानाय नमः!!३!! पश्चिमलिङ्गे-ॐ पशुपते नमः!!४!!
पश्चिमलिङ्गयोःदक्षिणलिङ्गे ॐ रुद्राय नमः!!५!! उत्तरलिङ्गे- ॐ उग्राय नमः!!६!!
उत्तरलिङ्गयोःपश्चिमलिङ्गे ॐ भीमाय नमः!!७!! पूर्वलिङ्गे- ॐ महते नमः!!८!!

ॐ ब्रह्मणे नमः!!९!!
ॐ सोमाय नमः!!१०!!
ॐ ईशानाय नमः!!११!!
ॐ इंद्राय नमः!!१२!!
ॐ अग्नये नमः!!१३!!
ॐ यमाय नमः!!१४!!
ॐ नैऋत्ये नमः!!१५!!
ॐ वरुणाय नमः!!१६!!
ॐ वायवे नमः!!१७!!
ॐ अष्टवसुभ्यो नमः!!१८!!
ॐ एकादशरुद्रेभ्यो नमः!!१९!!
ॐ द्वादशदित्येभ्यो नमः!!२०!!
ॐ अश्विभ्यां नमः!!२१!!
ॐ सपैतृकविश्वेभ्यो देवेभ्यो !!२२!!
ॐ सप्तयक्षेभ्यो नमः!!२३!!
ॐ भूतनागेभ्यो नमः!!२४!!
ॐ गन्धर्वाप्सरोभ्यो नमः!!२५!!
ॐ स्कन्दाय नमः!!२६!!
ॐ नन्दीश्वराय नमः!!२७!!
ॐ शूलमहाकालाभ्यां नमः!!२८!!

ॐ दुर्गायै नमः!!२९!!
ॐ विष्णवे नमः!!३०!!
ॐ स्वधासहितपितृभ्यो नमः!!३१!!
ॐ मृत्युरोगाभ्यां नमः!!३२!!
ॐ गणपतये नमः!!३३!!
ॐ अद्भ्यो नमः!!३४!!
ॐ मरुद्भ्यो नमः!!३५!!
ॐ पृथिव्यै नमः!!३६!!
ॐ गंगादिनदीभ्यो नमः!!३७!!
ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!३८!!
ॐ मेरवे नमः!!३९!!
ॐ गदायै नमः!!४०!!
ॐ त्रिशूलायै नमः!!४१!!
ॐ वज्राय नमः!!४२!!
ॐ शक्त्यै नमः!!४३!!
ॐ दण्डाय नमः!!४४!!
ॐ खड्गाय नमः!!४५!!
ॐ पाशाय नमः!!४६!!
ॐ अंकुशाय नमः!!४७!!
ॐ गौतमायै नमः!!४८!!

ॐ भरद्वाजायै नमः!!४९!!

ॐ विश्वामित्रायै नमः!!५०!!

ॐ कश्यपायै नमः!!५१!!

ॐ जमदग्नये नमः!!५२!!

ॐ वसिष्ठायै नमः!!५३!!

ॐ अत्रये नमः!!५४!!

ॐ अरुन्धत्यै नमः!!५५!!

ॐ ऐन्द्यै नमः!!५६!!

ॐ कौमार्यै नमः!!५७!!

ॐ ब्राह्मयै नमः!!५८!!

ॐ वाराह्यै नमः!!५९!!

ॐ चामुण्डायै नमः!!६०!!

ॐ वैष्णव्यै नमः!!६१!!

ॐ माहेश्वर्यै नमः!!६२!!

ॐ वैनायक्यै नमः!!६३!!

ॐ असिताङ्गभैरवाय नमः!!६४!!

ॐ रुरुभैरवाय नमः!!६५!!

ॐ चंडभैरवाय नमः!!६६!!

ॐ क्रोधभैरवाय नमः!!६७!!

ॐ उन्मत्तभैरवाय नमः!!६८!!

ॐ कपालभैरवाय नमः!!६९!!

ॐ भीषणभैरवाय नमः!!७०!!

ॐ संहारकभैरवाय नमः!!७१!!

ॐ अनंताय नमः!!७२!!

ॐ वासुकये नमः!!७३!!

ॐ तक्षकाय नमः!!७४!!

ॐ कुलिशाय नमः!!७५!!

ॐ कर्कोटकाय नमः!!७६!!

ॐ शंखपालाय नमः!!७७!!

ॐ कंबलाय नमः!!७८!!

ॐ अश्वतराय नमः!!७९!!

ॐ शूलिने नमः!!८०!!

ॐ चंद्रमौलये नमः!!८१!!

ॐ वृषध्वजाय नमः!!८२!!

ॐ त्रिलोचनाय नमः!!८३!!

ॐ शक्तिधराय नमः!!८४!!

ॐ महेश्वराय नमः!!८५!!

ॐ शूलपाणये नमः!!८६!!

ॐ महादेवाय नमः!!८७!!

ॐ परिधये नमः!!८८!!

ॐ चतुःपुरीभ्यो नमः!!८९!!

ॐ ऋग्वेदाय नमः!!९०!!

ॐ यजुर्वेदाय नमः!!९१!!

ॐ सामवेदाय नमः!!९२!!

ॐ अथर्ववेदाय नमः!!९३!!

ॐ भवान्यै नमः!!९४!!

ॐ शर्वाण्यै नमः!!९५!!

ॐ पाशुपत्यै नमः!!९६!!

ॐ ईशान्यै नमः!!९७!!

ॐ उग्रायै नमः!!९८!!

ॐ रुद्राण्यै नमः!!९९!!

ॐ भीमायै नमः!!१००!!

ॐ महत्यै नमः!!१०१!!

ॐ पृथ्वीतत्त्वाय नमः!!१०२!!

ॐ जलतत्त्वाय नमः!!१०३!!

ॐ तेजतत्त्वाय नमः!!१०४!!

ॐ वायुतत्त्वाय नमः!!१०५!!

ॐ आकाश तत्त्वाय नमः!!१०६!!

!! इति अष्टलिङ्गतो भद्रमण्डलम् !!

note-> शुक्लयजुःशाखीयकर्म काण्डप्रदीपोक्त देवतानां विनिमयं कृत्वैष प्रकारो निर्दिष्टः! प्राचीनहस्तलिखितपद्धतिषु लेखकस्वातन्त्रेण देवतानिर्देशभेदाद्,देवतानिर्देशकप्रत्यक्ष वचनानुपलभ्भात् पद्धतिषु पारस्परिक-विरोधदर्शनाच्चायं पक्षःसमादतः! मरुद्रादिपद्धतिषु द्वादशलिङ्गतो भद्रमण्डलदेवतानां वैशिष्ट्येन स्वीकारात् तत्प्रयोगो ग्रन्थान्तरादवसेयः!! प्रतिष्ठा मौक्तिकं !!

!! अथ द्वादशलिंगतो भद्रमण्डलम् !!

ॐ गुरवे नमः!!१!!
ॐ गणपतये नमः!!२!!
ॐ दुर्गायै नमः!!३!!
ॐ क्षेत्रपालाय नमः!!४!!
ॐ सदाशिवाय नमः!!५!!
ॐ मंडूकाय नमः!!६!!
ॐ कूर्माय नमः!!७!!
ॐ कालाग्निरुद्राय नमः!!८!!
ॐ वराहाय नमः!!९!!
ॐ पृथिव्यै नमः!!१०!!
ॐ अनंताय नमः!!११!!
ॐ स्कंदाय नमः!!१२!!
ॐ सुधासिंधवे नमः!!१३!!
ॐ नलाय नमः!!१४!!
ॐ पद्माय नमः!!१५!!
ॐ कर्णिकायै नमः!!१६!!
ॐ सिंहासनाय नमः!!१७!!
ॐ पद्मासनाय नमः!!१८!!
ॐ धर्माय नमः!!१९!!
ॐ ज्ञानाय नमः!!२०!!
ॐ वैराग्याय नमः!!२१!!
ॐ एश्वर्याय नमः!!२२!!
ॐ अधर्माय नमः!!२३!!
ॐ अज्ञानाय नमः!!२४!!
ॐ अवैराग्याय नमः!!२५!!
ॐ अनैश्वर्याय नमः!!२६!!
ॐ चिदाकाशाय नमः!!२७!!
ॐ योग पीठाय नमः!!२८!!
ॐ साम्बसदाशिवाय नमः!!२९!!
ॐ पृथिव्यै नमः!!३०!!
ॐ कपालाय नमः!!३१!!
ॐ सप्तसरिद्भ्यो नमः!!३२!!
ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!३३!!
ॐ तत्पुरुषाय नमः!!३४!!
ॐ अघोराय नमः!!३५!!
ॐ सद्योजाताय नमः!!३६!!
ॐ वामदेवाय नमः!!३७!!
ॐ भगवत्यै नमः!!३८!!
ॐ उमायै नमः!!३९!!
ॐ शंकरप्रियायै नमः!!४०!!
ॐ पार्वत्यै नमः!!४१!!
ॐ गौर्यै नमः!!४२!!
ॐ काल्यै नमः!!४३!!
ॐ कौमार्यै नमः!!४४!!
ॐ विश्वंभर्यै नमः!!४५!!
ॐ नंदिने नमः!!४६!!
ॐ महाकालाय नमः!!४७!!
ॐ महावृषभाय नमः!!४८!!
ॐ भृंगकिरीटने नमः!!४९!!
ॐ स्कंदाय नमः!!५०!!

ॐ उमापतये नमः!!५१!!
ॐ चण्डेश्वराय नमः!!५२!!
ॐ योगसूत्राय नमः!!५३!!
ॐ धात्रे नमः!!५४!!
ॐ मित्राय नमः!!५५!!
ॐ यमाय नमः!!५६!!
ॐ रुद्राय नमः!!५७!!
ॐ वरुणाय नमः!!५८!!
ॐ सूर्याय नमः!!५९!!
ॐ भगाय नमः!!६०!!
ॐ विवस्वते नमः!!६१!!
ॐ पुरुषोत्तमाय नमः!!६२!!
ॐ सवित्रे नमः!!६३!!
ॐ त्वष्ट्रे नमः!!६४!!
ॐ विष्णवे नमः!!६५!!
ॐ शिवाय नमः!!६६!!
ॐ एकनेत्राय नमः!!६७!!
ॐ एकरुद्राय नमः!!६८!!
ॐ त्रिमूर्तये नमः!!६९!!
ॐ कंठाय नमः!!७०!!
ॐ वामदेवाय नमः!!७१!!
ॐ ज्येष्ठाय नमः!!७२!!
ॐ श्रेष्ठाय नमः!!७३!!
ॐ रुद्राय नमः!!७४!!
ॐ कालाय नमः!!७५!!

ॐ कलविकरणाय नमः!!७६!!
ॐ बलविकरणाय नमः!!७७!!
ॐ अणिमायै नमः!!७८!!
ॐ महिमायै नमः!!७९!!
ॐ लघिमायै नमः!!८०!!
ॐ गरिमायै नमः!!८१!!
ॐ प्राप्त्यै नमः!!८२!!
ॐ प्राकाम्यै नमः!!८३!!
ॐ ईशितायै नमः!!८४!!
ॐ वशितायै नमः!!८५!!
ॐ ब्रह्माणै नमः!!८६!!
ॐ माहेश्वर्यै नमः!!८७!!
ॐ कौमार्यै नमः!!८८!!
ॐ वैष्णव्यै नमः!!८९!!
ॐ वाराह्यै नमः!!९०!!
ॐ इंद्राण्यै नमः!!९१!!
ॐ चामुण्डायै नमः!!९२!!
ॐ चण्डिकायै नमः!!९३!!
ॐ असिताङ्गभैरवाय नमः!!९४!!
ॐ रुरुभैरवाय नमः!!९५!!
ॐ चंडभैरवाय नमः!!९६!!
ॐ क्रोधभैरवाय नमः!!९७!!
ॐ उन्मत्तभैरवाय नमः!!९८!!
ॐ कालभैरवाय नमः!!९९!!
ॐ भीषणभैरवाय नमः!!१००!!

ॐ संहारकभैरवाय नमः!!१०१!!

ॐ धृताच्यै नमः!!१०२!!

ॐ मेनकायै नमः!!!!१०३!!

ॐ रम्भायै नमः१०४!!

ॐ उर्वश्यै नमः!!१०५!!

ॐ तिलोत्तमायै नमः!!१०६!!

ॐ सुकेशायै नमः!!१०७!!

ॐ मंजुघोशायै नमः!!१०८!!

ॐ अप्सरेभ्यो नमः!!१०९!!

ॐ भवाय नमः!!११०!!

ॐ शिवाय नमः!!१११!!

ॐ रुद्राय नमः!!११२!!

ॐ पशुपतये नमः!!११३!!

ॐ उग्राय नमः !!११४!!

ॐ भीमाय नमः!!११५!!

ॐ महादेवाय नमः !!११६!!

ॐ ईशानाय नमः!!११७!!

ॐ अनन्ताय नमः !!११८!!

ॐ तक्षकाय नमः !!११९!!

ॐ वासुकये नमः !!१२०!!

ॐ कुलिशाय नमः !!१२१!!

ॐ कर्कोटकाय नमः !!१२२!!

ॐ शंखपालाय नमः !!१२३!!

ॐ कंबलाय नमः!!१२४!!

ॐ अश्वतराय नमः!!१२५!!

ॐ वैन्याय नमः!!१२६!!

ॐ अंगाय नमः!!१२७!!

ॐ हैहयाय नमः !!१२८!!

ॐ अर्जुनाय नमः !!१२९!!

ॐ शाकुन्तलोयाय नमः!!१३०!!

ॐ भरताय नमः!!१३१!!

ॐ नलाय नमः!!!!१३२!!

ॐ रामाय नमः !!१३३!!

ॐ सर्वभोमाय नमः!!१३४!!

ॐ निषधाय नमः!!१३५!!

ॐ विंध्याचलाय नमः!!१३६!!

ॐ माल्यवते नमः!!१३७!!

ॐ परियात्राय नमः!!१३८!!

ॐ सह्याय नमः !!१३९!!

ॐ हेमकूटाय नमः !!१४०!!

ॐ गंधमादनाय नमः !!१४१!!

ॐ कुलाचलाय नमः!!१४२!!

ॐ हिमवते नमः !!१४३!!

ॐ रैवताय नमः !!१४४!!

ॐ देवगिरये नमः !!१४५!!

ॐ मलयाचलाय नमः !!१४६!!

ॐ कनकाचलाय नमः !!१४७!!

ॐ पृथिव्यै नमः!!१४८!!

ॐ अनंताय नमः!!१४९!!

ॐ अग्निकुमाराभ्यां नमः!!१५०!!

ॐ विश्वेभ्यो देवेभ्यो नमः!!१५१!!

ॐ पितृभ्यो नमः!!१५२!!

ॐ नागेभ्यो नमः!!१५३!!

ॐ इन्द्राय नमः!!१५४!!

ॐ अग्नये नमः!!१५५!!

ॐ यमाय नमः!!१५६!!

ॐ निऋतये नमः!!१५७!!

ॐ वरुणाय नमः!!१५८!!

ॐ वायवे नमः!!१५९!!

ॐ कुबेरायनमः!!१६०!!

ॐ ईशानाय नमः!!१६१!!

ॐ ब्रह्मणे नमः!!१६२!!

ॐ अनन्ताय नमः!!१६३!!

ॐ वज्राय नमः!!१६४!!

ॐ शक्त्यै नमः!!१६५!!

ॐ दण्डाय नमः!!१६६!!

ॐ खड्गाय नमः!!१६७!!

ॐ पाशाय नमः!!१६८!!

ॐ अंकुशाय नमः!!१६९!!

ॐ गदायै नमः!!१७०!!

ॐ त्रिशूलायै नमः!!१७१!!

ॐ पद्माय नमः!!१७२!!

ॐ चक्राय नमः!!१७३!!

ॐ कश्यपायै नमः!!१७४!!

ॐ अत्रये नमः!!१७५!!

ॐ भरद्वाजायै नमः!!१७६!!

ॐ विश्वामित्रायै नमः!!१७७!!

ॐ गौतमायै नमः!!१७८!!

ॐ जमदग्नये नमः!!१७९!!

ॐ वसिष्ठायै नमः!!१८०!!

ॐ अरुन्धत्यै नमः!!१८१!!

ॐ ऋग्वेदाय नमः!!१८२!!

ॐ यजुर्वेदाय नमः!!१८३!!

ॐ सामवेदाय नमः!!१८४!!

ॐ अथर्ववेदाय नमः!!१८५!!

!! इति द्वादशलिंगतो भद्रमण्डलम् !!

!! अथ लक्ष्मी-नारायण मण्डलम् !!

!! अथ पीठ देवता !!

ॐ मंडूकाय नमः!!१!!
ॐ मूलप्रकृत्यै नमः!!२!!
ॐ आधारशक्त्यै नमः!!३!!
ॐ कूर्माय नमः!!४!!
ॐ अनन्ताय नमः!!५!!
ॐ पृथव्यै नमः!!६!!
ॐ श्वेतद्विपाय नमः!!७!!
ॐ कल्पवृक्षाय नमः!!८!!
ॐ रत्नमंडपाय नमः!!९!!
ॐ सिंहासनाय नमः!!१०!!
ॐ धर्माय नमः!!११!!
ॐ ज्ञानाय नमः!!१२!!
ॐ वैराग्याय नमः!!१३!!
ॐ ऐश्वर्याय नमः!!१४!!
ॐ अधर्माय नमः!!१५!!
ॐ अज्ञानाय नमः!!१६!!
ॐ अवैराग्याय नमः!!१७!!
ॐ अनैश्वर्याय नमः!!१८!!
ॐ आत्मने नमः!!१९!!
ॐ अन्तरात्मने नमः!!२०!!
ॐ परमात्मने नमः!!२१!!
ॐ ज्ञानात्मने नमः!!२२!!
ॐ अग्निमंडलाय नमः!!२३!!
ॐ सोममंडलाय नमः!!२४!!
ॐ सूर्यमंडलाय नमः!!२५!!
ॐ सत्वाय नमः!!२६!!
ॐ रजसे नमः!!२७!!
ॐ तमसे नमः!!२८!!

ॐ सर्वशक्ति कमलासनाय नमः!!२९!!

!! इति पीठ देवता !!

ॐ लक्ष्मीनारायणायभ्यां नमः!!१!!
ॐ संकर्षणाय नमः!!२!!
ॐ प्रद्युम्नाय नमः!!३!!
ॐ अनिरुद्धायाय नमः!!४!!
ॐ विष्वक्सेनाय नमः!!५!!
ॐ सनकाय नमः!!६!!
ॐ सनंदनाय नमः!!७!!
ॐ सनातनाय नमः!!८!!
ॐ सनत्कुमाराय नमः!!९!!
ॐ शुकाय नमः!!१०!!
ॐ अवनितलाय नमः!!११!!
ॐ तलाय नमः!!१२!!
ॐ वायवे नमः!!१३!!
ॐ वह्नये नमः!!१४!!
ॐ चंद्राय नमः!!१५!!
ॐ सूर्याय नमः!!१६!!
ॐ गगनाय नमः!!१७!!
ॐ यजनार्हाय नमः!!१८!!
ॐ मत्स्याय नमः!!१९!!
ॐ कूर्माय नमः!!२०!!
ॐ वराहाय नमः!!२१!!

ॐ नरसिंहाय नमः!!२२!!

ॐ वामनाय नमः!!२३!!

ॐ परशुरामाय नमः!!२४!!

ॐ रामचंद्राय नमः!!२५!!

ॐ श्री कृष्णाय नमः!!२६!!

ॐ बौध्धाय नमः!!२७!!

ॐ कल्किने नमः!!२८!!

ॐ प्रवणमूर्तये नमः!!२९!!

ॐ नंदनंदनाय नमः!!३०!!

ॐ मंगलमूर्तये नमः!!३१!!

ॐ भगवते नमः!!३२!!

ॐ गर्भवास निवारकाय नमः!!३३!!

ॐ वरेण्याय नमः!!३४!!

ॐ तेजोमूर्तये नमः!!३५!!

ॐ त्रिभुवन पतये नमः!!३६!!

ॐ सुसर्वांगाय नमः!!३७!!

ॐ वेदाध्यक्षाय नमः!!३८!!

ॐ वागीशाय नमः!!३९!!

ॐ यमादिपालकाय नमः!!४०!!

ॐ कुमारमूर्तये नमः!!४१!!

ॐ देवऋषिभ्यो नमः!!४२!!

ॐ नारायणाय नमः!!४३!!

ॐ कपिलमुनये नमः!!४४!!

ॐ दत्तात्रेयाय नमः!!४५!!

ॐ यज्ञमूर्तये नमः!!४६!!

ॐ ऋषभदेवाय नमः!!४७!!

ॐ पृथुराज्ञे नमः!!४८!!

ॐ धन्वंतरये नमः!!४९!!

ॐ मोहिनी रूपाय नमः!!५०!!

ॐ द्वैपायनाय नमः!!५१!!

ॐ मुनिमूर्तये नमः!!५२!!

ॐ मनुमूर्तये नमः!!५३!!

ॐ प्रजापतये नमः!!५४!!

ॐ विश्वामित्राय नमः!!५५!!

ॐ जमदग्नये नमः!!५६!!

ॐ भरद्वाजाय नमः!!५७!!

ॐ गौतमाय नमः!!५८!!

ॐ अत्रये नमः!!५९!!

ॐ वशिष्ठाय नमः!!६०!!

ॐ कश्यपाय नमः!!६१!!

ॐ अंगारकाय नमः!!६२!!

ॐ अगस्त्याय नमः!!६३!!

ॐ पुलस्त्याय नमः!!६४!!

ॐ पुलहाय नमः!!६५!!

ॐ उद्दालकाय नमः!!६७!!

ॐ दालभ्याय नमः!!६८!!

ॐ जैमुनये नमः!!६९!!

ॐ कात्यायनाय नमः!!७०!!

ॐ वैशंपायनाय नमः!!७१!!

ॐ ब्राह्मयै नमः!!७२!!

ॐ माहेश्वर्यै नमः!!७३!!
ॐ कौमार्यै नमः!!७४!!
ॐ वैष्णव्यै नमः!!७५!!
ॐ वाराह्यै नमः!!७६!!
ॐ ऐन्द्यै नमः!!७७!!
ॐ चामुण्डायै नमः!!७८!!
ॐ महालक्ष्म्यै नमः!!७९!!
ॐ अणिमासिद्धयै नमः!!८०!!
ॐ महिमासिद्धयै नमः!!८१!!
ॐ लधिमासिद्धयै नमः!!८२!!
ॐ गरिमासिद्धयै नमः!!८३!!
ॐ प्राप्तिसिद्धयै नमः!!८४!!
ॐ प्राकाम्यसिद्धयै नमः!!८५!!
ॐ ईशित्वसिद्धयै नमः!!८६!!
ॐ वशित्वसिद्धयै नमः!!८७!!
ॐ सर्वकामसिद्धयै नमः!!८८!!
ॐ इंद्राय नमः!!८९!!
ॐ अग्नये नमः!!९०!!
ॐ यमाय नमः!!९१!!
ॐ नैऋत्ये नमः!!९२!!
ॐ वरुणाय नमः!!९३!!
ॐ वायवे नमः!!९४!!
ॐ सोमाय नमः!!९५!!
ॐ ईशानाय नमः!!९६!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!९७!!
ॐ अनन्ताय नमः!!९८!!
ॐ वज्राय नमः!!९९!!
ॐ शक्त्यै नमः!!१००!!
ॐ दण्डाय नमः!!१०१!!
ॐ खड्गाय नमः!!१०२!!
ॐ पाशाय नमः!!१०३!!
ॐ अंकुशाय नमः!!१०४!!
ॐ गदायै नमः!!१०५!!
ॐ त्रिशूलायै नमः!!१०६!!
ॐ पद्माय नमः!!१०७!!
ॐ चक्राय नमः!!१०८!!
ॐ ऋग्वेदाय नमः!!१०९!!
ॐ यजुर्वेदाय नमः!!११०!!
ॐ सामवेदाय नमः!!१११!!
ॐ अथर्ववेदाय नमः!!११२!!
ॐ गंगायै नमः!!११३!!
ॐ यमुनायै नमः!!११४!!

!! इति लक्ष्मी-नारायण मण्डलम् !!

!! अथ गौरीतिलक मण्डलम् !!

ॐ गौर्यै नमः!!१!!
ॐ महाविष्णवे नमः!!२!!
ॐ महालक्ष्म्यै नमः!!३!!
ॐ महेश्वराय नमः!!४!!
ॐ महामायायै नमः!!५!!
ॐ ऋग्वेदाय नमः!!६!!
ॐ यजुर्वेदाय नमः!!७!!
ॐ सामवेदाय नमः!!८!!
ॐ अथर्ववेदाय नमः!!९!!
ॐ अद्भ्यो नमः!!१०!!
ॐ जलोद्भवाय नमः!!११!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!१२!!
ॐ प्रजापतये नमः!!१३!!
ॐ शिवाय नमः!!१४!!
ॐ अनंताय नमः!!१५!!
ॐ परमेष्ठिने नमः!!१६!!
ॐ धात्रे नमः!!१७!!
ॐ विधात्रे नमः!!१८!!
ॐ अर्य्यम्णे नमः!!१९!!
ॐ मित्राय नमः!!२०!!
ॐ वरुणाय नमः!!२१!!
ॐ अंशुमते नमः!!२२!!
ॐ भगाय नमः!!२३!!
ॐ इन्द्राय नमः!!२४!!
ॐ विवश्वते नमः!!२५!!

ॐ पूष्णे नमः!!२६!!
ॐ पर्जन्याय नमः!!२७!!
ॐ त्वष्ट्रे नमः!!२८!!
ॐ दक्षयज्ञाय नमः!!२९!!
ॐ देववसवे नमः!!३०!!
ॐ महासुताय नमः!!३१!!
ॐ सुधर्मणे नमः!!३२!!
ॐ शङ्खपदे नमः!!३३!!
ॐ महाबाहवे नमः!!३४!!
ॐ वपुष्मते नमः!!३४!!
ॐ अनन्ताय नमः!!३६!!
ॐ महेरणाय नमः!!३७!!
ॐ विश्वावसवे नमः!!३८!!
ॐ सुपर्णवे नमः!!३९!!
ॐ विष्टराय नमः!!४०!!
ॐ रुद्रदेवताय नमः!!४१!!
ॐ ध्रुवाय नमः!!४२!!
ॐ धराय नमः!!४३!!
ॐ सोमाय नमः!!४४!!
ॐ आपवत्साय नमः!!४५!!
ॐ नलाय नमः!!४६!!
ॐ अनिलाय नमः!!४७!!
ॐ प्रत्यूषाय नमः!!४८!!
ॐ प्रभासाय नमः!!४९!!
ॐ आवर्त्ताय नमः!!५०!!

ॐ सांवर्त्ताय नमः!!५१!!
ॐ द्रोणाय नमः!!५२!!
ॐ पुष्कराय नमः!!५३!!
ॐ ह्रीं कार्य्यै नमः!!५४!!
ॐ ह्रियै नमः!!५५!!
ॐ कात्यायन्यै नमः!!५६!!
ॐ चामुण्डायै नमः!!५७!!
ॐ महादिव्यायै नमः!!५८!!
ॐ महाशब्दायै नमः!!५९!!
ॐ सिद्धिदायै नमः!!६०!!
ॐ ह्रीं कार्य्यै नमः!!६१!!
ॐ ऐं नमः!!६२!!
ॐ श्रीं श्रियै नमः!!६३!!
ॐ ह्रियै नमः!!६४!!
ॐ लक्ष्म्यै नमः!!६५!!
ॐ श्रियै नमः!!६६!!
ॐ सुधायै नमः!!६७!!
ॐ मेधायै नमः!!६८!!
ॐ प्रज्ञायै नमः!!६९!!
ॐ मत्यै नमः!!७०!!
ॐ स्वाहायै नमः!!७१!!
ॐ सरस्वत्यै नमः!!७२!!
ॐ गौर्यै नमः!!७३!!
ॐ पद्मायै नमः!!७४!!
ॐ शच्यै नमः!!७५!!

ॐ सुमेधायै नमः!!७६!!
ॐ सावित्र्यै नमः!!७७!!
ॐ विजयायै नमः!!७८!!
ॐ जयायै नमः!!७९!!
ॐ देवसेनायै नमः!!८०!!
ॐ स्वधायै नमः!!८१!!
ॐ स्वाहायै नमः!!८२!!
ॐ लोकमातृकाभ्यो नमः!!८३!!
ॐ धृत्यै नमः!!८४!!
ॐ पुष्टयै नमः!!८५!!
ॐ तुष्टयै नमः!!८६!!
ॐ आत्मनकुलदेवतायै नमः!!८७!!
ॐ गणेश्वर्य्यै नमः!!८८!!
ॐ कुलमात्र्ये नमः!!८९!!
ॐ शान्त्यै नमः!!९०!!
ॐ जयन्त्यै नमः!!९१!!
ॐ मंगलायै नमः!!९२!!
ॐ काल्यै नमः!!९३!!
ॐ भद्रकाल्यै नमः!!९४!!
ॐ कपालिन्यै नमः!!९५!!
ॐ दुर्गायै नमः!!९६!!
ॐ क्षमायै नमः!!९७!!
ॐ शिवायै नमः!!९८!!
ॐ धात्र्यै नमः!!९९!!
ॐ स्वधा स्वाहाभ्यां नमः!!१००!!

ॐ दीप्यमानायै नमः!!१०१!!
ॐ दीप्तायै नमः!!१०२!!
ॐ सूक्ष्मायै नमः!!१०३!!
ॐ विभूत्यै नमः!!१०४!!
ॐ विमलायै नमः!!१०५!!
ॐ परायै नमः!!१०६!!
ॐ अमोघार्यै नमः!!१०७!!
ॐ विद्युतायै नमः!!१०८!!
ॐ सर्वतोमुख्यै नमः!!१०९!!
ॐ आनन्दायै नमः!!११०!!
ॐ नंदिन्यै नमः!!१११!!
ॐ शक्त्यै नमः!!११२!!
ॐ महासूक्ष्मायै नमः!!११३!!
ॐ करालिन्यै नमः!!११४!!
ॐ भारत्यै नमः!!११५!!
ॐ ज्योतिष्मत्यै नमः!!११६!!
ॐ ब्राह्मयै नमः!!११७!!
ॐ माहेश्वर्यै नमः!!११८!!
ॐ कोमार्यै नमः!!११९!!
ॐ वैष्णव्यै नमः!!१२०!!
ॐ वाराह्यै नमः!!१२१!!
ॐ इन्द्राण्यै नमः!!१२२!!
ॐ चंडिकायै नमः!!१२३!!
ॐ बुद्धयै नमः!!१२४!!
ॐ लज्जायै नमः!!१२५!!

ॐ वपुष्मत्यै नमः!!१२६!!
ॐ शान्त्यै नमः!!१२७!!
ॐ कान्त्यै नमः!!१२८!!
ॐ रत्यै नमः!!१२९!!
ॐ प्रीत्यै नमः!!१३०!!
ॐ कीर्त्यै नमः!!१३१!!
ॐ प्रभायै नमः!!१३२!!
ॐ काम्यायै नमः!!१३३!!
ॐ कान्त्यायै नमः!!१३४!!
ॐ ऋद्धयै नमः!!१३५!!
ॐ दयायै नमः!!१३६!!
ॐ शिवदूत्यै नमः!!१३७!!
ॐ श्रद्धायै नमः!!१३८!!
ॐ क्षमायै नमः!!१३९!!
ॐ क्रियायै नमः!!१४०!!
ॐ विद्यायै नमः!!१४१!!
ॐ मोहिन्यै नमः!!१४२!!
ॐ यशोवत्यै नमः!!१४३!!
ॐ कृपावत्यै नमः!!१४४!!
ॐ सलीलायै नमः!!१४५!!
ॐ सुशीलायै नमः!!१४६!!
ॐ ईश्वर्यै नमः!!१४७!!
ॐ सिद्धेश्वर्यै नमः!!१४८!!
ॐ द्वैपायनाय नमः!!१४९!!
ॐ भारद्वाजायै नमः!!१५०!!

ॐ गौतमायै नमः!!१५१!!
ॐ सुमन्तवे नमः!!१५२!!
ॐ देवलाय नमः!!१५३!!
ॐ व्यासाय नमः!!१५४!!
ॐ वसिष्ठाय नमः!!१५५!!
ॐ च्यवनायै नमः!!१५६!!
ॐ कण्वाय नमः!!१५७!!
ॐ मैत्रेयाय नमः!!१५८!!
ॐ कवये नमः!!१५९!!
ॐ विश्वामित्राय नमः!!१६०!!
ॐ वामदेवाय नमः!!१६१!!
ॐ सुमन्ताय नमः!!१६२!!
ॐ जैमिनवे नमः!!१६३!!
ॐ क्रतवे नमः!!१६४!!
ॐ पिप्पलादाय नमः!!१६५!!
ॐ पाराशराय नमः!!१६६!!
ॐ गर्गाय नमः!!१६७!!
ॐ वैशम्पाय नमः!!१६८!!
ॐ दक्षाय नमः!!१६९!!
ॐ मार्कण्डेयाय नमः!!१७०!!
ॐ मृकण्डाय नमः!!१७१!!
ॐ लोमशाय नमः!!१७२!!
ॐ पुलहाय नमः!!१७३!!
ॐ पुलस्त्याय नमः!!१७४!!
ॐ बृहस्पतये नमः!!१७५!!

ॐ जमदग्नये नमः!!१७६!!
ॐ जामदग्न्ये नमः!!१७७!!
ॐ दलभ्याय नमः!!१७८!!
ॐ शिलोञ्छनाय नमः!!१७९!!
ॐ गालवाय नमः!!१८०!!
ॐ यज्ञवल्क्याय नमः!!१८१!!
ॐ दुर्वासाय नमः!!१८२!!
ॐ सौरभाये नमः!!१८३!!
ॐ जावालये नमः!!१८४!!
ॐ वाल्मीकये नमः!!१८५!!
ॐ बह्वचाय नमः!!१८६!!
ॐ इन्द्रप्रमितये नमः!!१८७!!
ॐ देवमित्राय नमः!!१८८!!
ॐ जाजलये नमः!!१८९!!
ॐ शाकल्याय नमः!!१९०!!
ॐ मुद् गलाय नमः!!१९१!!
ॐ जातुकर्ण्याय नमः!!१९२!!
ॐ बलाकाय नमः!!१९३!!
ॐ कृपाचार्याय नमः!!१९४!!
ॐ सुकर्मणे नमः!!१९५!!
ॐ कौशल्याय नमः!!१९६!!
ॐ ब्रह्माग्नये नमः!!१९७!!
ॐ गार्हष्पत्याग्नये नमः!!१९८!!
ॐ ईश्वराग्नये नमः!!१९९!!
ॐ दक्षिणाग्नये नमः!!२००!!

ॐ वैष्णवाग्नये नमः!!२०१!!
ॐ आहवानीयाग्नये नमः!!२०२!!
ॐ सप्तजिह्वाग्नये नमः!!२०३!!
ॐ इध्मजिह्वाग्नये नमः!!२०४!!
ॐ प्रवर्ग्याग्नये नमः!!२०५!!
ॐ बडवाग्नये नमः!!२०६!!
ॐ जाठराग्नये नमः!!२०७!!
ॐ लोकिकाग्नये नमः!!२०८!!
ॐ सूर्याय नमः!!२०९!!
ॐ वेदाङ्गनाय नमः!!२१०!!
ॐ भानवे नमः!!२११!!
ॐ इन्द्राय नमः!!२१२!!
ॐ खगाय नमः!!२१३!!
ॐ गभस्तिने नमः!!२१४!!
ॐ यमाय नमः!!२१५!!
ॐ अंशुमते नमः!!२१६!!
ॐ हिरण्यरेतसे नमः!!२१७!!
ॐ दिवाकराय नमः!!२१८!!
ॐ मित्राय नमः!!२१९!!
ॐ विष्णवे नमः!!२२०!!
ॐ शम्भवे नमः!!२२१!!
ॐ गिरिशयाय नमः!!२२२!!
ॐ अजैकपदे नमः!!२२३!!
ॐ अहिर्बुध्न्याय नमः!!२२४!!
ॐ पिनाकपाणये नमः!!२२५!!
ॐ अपराजिताय नमः!!२२६!!
ॐ भुवनाधिश्वराय नमः!!२२७!!
ॐ कपालिने नमः!!२२८!!
ॐ विशाम्पतये नमः!!२२९!!
ॐ रुद्राय नमः!!२३०!!
ॐ वीरभद्राय नमः!!२३१!!
ॐ अश्वनीकुमाराभ्यां नमः!!२३२!!
ॐ आहवाय नमः!!२३३!!
ॐ प्रवहाय नमः!!२३४!!
ॐ उद्वहाय नमः!!२३५!!
ॐ सम्वहाय नमः!!२३६!!
ॐ विवहाय नमः!!२३७!!
ॐ परिवहाय नमः!!२३८!!
ॐ परीवहाय नमः!!२३९!!
ॐ धरायै नमः!!२४०!!
ॐ अद्भ्यो नमः!!२४१!!
ॐ अग्नये नमः!!२४२!!
ॐ वायवे नमः!!२४३!!
ॐ आकाशाय नमः!!२४४!!
ॐ हिरण्यनाभाय नमः!!२४५!!
ॐ पुष्पंजयाय नमः!!२४६!!
ॐ द्रोणाय नमः!!२४७!!
ॐ शृङ्गिणे नमः!!२४८!!
ॐ बादराणाय नमः!!२४९!!
ॐ अगस्त्याय नमः!!२५०!!

ॐ मनवे नमः!!२५१!!

ॐ कश्यपाय नमः!!२५२!!

ॐ धौम्याय नमः!!२५३!!

ॐ भृगवे नमः!!२५४!!

ॐ वीतिहोत्राय नमः!!२५५!!

ॐ मधुच्छन्दसे नमः!!२५६!!

ॐ वीरसेनाय नमः!!२५७!!

ॐ कृतवृष्णवे नमः!!२५८!!

ॐ अत्रये नमः!!२५९!!

ॐ मेधातिथये नमः!!२६०!!

ॐ अरिष्टनेमये नमः!!२६१!!

ॐ अङ्गिरसाय नमः!!२६२!!

ॐ इन्द्रप्रमदाय नमः!!२६३!!

ॐ इध्मबाह्वे नमः!!२६४!!

ॐ पिप्पलादाय नमः!!२६५!!

ॐ नारदाय नमः!!२६६!!

ॐ अरिष्टसेनाय नमः!!२६७!!

ॐ अरुणाय नमः!!२६८!!

ॐ सनकाय नमः!!२६९!!

ॐ सनन्दनाय नमः!!२७०!!

ॐ सनातनाय नमः!!२७१!!

ॐ सनत्कुमाराय नमः!!२७२!!

ॐ कपिलाय नमः!!२७३!!

ॐ कर्दमाय नमः!!२७४!!

ॐ मरीचये नमः!!२७५!!

ॐ क्रतवे नमः!!२७६!!

ॐ प्रचेतसे नमः!!२७७!!

ॐ उत्तमाय नमः!!२७८!!

ॐ दधीचये नमः!!२७९!!

ॐ श्राद्धदेवताभ्यो नमः!!२८०!!

ॐ गणदेवेभ्यो नमः!!२८२!!

ॐ विद्याधरेभ्यो नमः!!२८३!!

ॐ अप्सरेभ्यो नमः!!२८४!!

ॐ यक्षेभ्यो नमः!!२८५!!

ॐ रक्षेभ्यो नमः!!२८६!!

ॐ गंधर्वेभ्यो नमः!!२८७!!

ॐ पिशाचेभ्यो नमः!!२८८!!

ॐ गुह्यकेभ्यो नमः!!२८९!!

ॐ सिद्धदेवताभ्यो नमः!!२९०!!

ॐ औषधीभ्यो नमः!!२९१!!

ॐ भूतग्रामाय नमः!!२९२!!

ॐ चतुर्विध भूतग्रामाय नमः!!२९३!!

!! इति गौरीतिलक मण्डलम् !!

!! अथ रामभद्र मण्डल देवता !!

!! अथ पीठदेवता !!

मं मंडूकाय नमः!!१!!
आं आधारशक्त्यै नमः!!२!!
मूं मूलप्रकृत्यै नमः!!३!!
कां कालाग्निरुद्राय नमः!!४!!
आं आदिकूर्माय नमः!!५!!
अं अनंताय नमः!!६!!
आं आदिवराहाय नमः!!७!!
पं पृथव्यै नमः!!८!!
अं अमृतार्णवाय नमः!!९!!
रं रत्नद्वीपाय नमः!!१०!!
हं हेमगिरये नमः!!११!!
नं नंदनोद्यानाय नमः!!१२!!
कं कल्पवृक्षाय नमः!!१३!!
मं मणिभूतलाय नमः!!१४!!
दं दिव्यमंडपाय नमः!!१५!!
सं स्वर्णवेदिकायै नमः!!१६!!
रं रत्नसिंहासनाय नमः!!१७!!
धं धर्माय नमः!!१८!!
ज्ञां ज्ञानाय नमः!!१९!!
वैं वैराग्याय नमः!!२०!!
ऐं ऐश्वर्याय नमः!!२१!!
अं अधर्माय नमः!!२२!!
अं अज्ञानाय नमः!!२३!!
अं अवैराग्याय नमः!!२४!!
अं अनैश्वर्याय नमः!!२५!!
सं सत्वाय नमः!!२६!!
पं प्रबोधात्मने नमः!!२७!!
रं रजसे नमः!!२८!!
पं प्रकृत्यात्मने नमः!!२९!!
तं तमसे नमः!!३०!!
मं मोहात्मने नमः!!३१!!
सौं सोममंडलाय नमः!!३२!!
सूं सूर्यमंडलाय नमः!!३३!!
वं वह्निमंडलाय नमः!!३४!!
मां मायातत्वाय नमः!!३५!!
विं विद्यातत्वाय नमः!!३६!!
शिं शिवतत्वाय नमः!!३७!!
ब्रं ब्रह्मणे नमः!!३८!!
मं महेश्वराय नमः!!३९!!
आं आत्मने नमः!!४०!!
अं अंतरात्मने नमः!!४१!!
पं परमात्मने नमः!!४२!!
जीं जीवात्मने नमः!!४३!!
ज्ञां ज्ञानात्मने नमः!!४४!!
कं कन्दाय नमः!!४५!!
नीं नीलाय नमः!!४६!!
पं पद्माय नमः!!४७!!
मं महापद्माय नमः!!४८!!

रं रत्नेभ्यो नमः!!४९!! कं केसरेभ्यो नमः!!५०!! कं कर्णिकायै नमः!!५१!!

{ नवशक्तिः स्थापयेत् }

ॐ विमलायै नमः!!५२!! ॐ उत्कर्षिण्यै नमः!!५३!!
ॐ क्रियायै नमः!!५४!! ॐ योगायै नमः!!५५!!
ॐ प्रह्व्यै नमः!!५६!! ॐ सत्यायै नमः!!५७!!
ॐ ईशानायै नमः!!५८!! ॐ अनुग्रहायै नमः!!५९!!

!! इति पीठदेवता !!

मध्ये ॐ ब्रह्मणे नमः!!१!!
ॐ सोमाय नमः!!२!!
ॐ ईशानाय नमः!!३!!
ॐ इंद्राय नमः!!४!!
ॐ अग्नये नमः!!५!!
ॐ यमाय नमः!!६!!
ॐ नैऋत्ये नमः!!७!!
ॐ वरुणाय नमः!!८!!
ॐ वायवे नमः!!९!!
ॐ अष्टवसुभ्यो नमः!!१०!!
ॐ एकादशरुद्रेभ्यो नमः!!११!!
ॐ द्वादशदित्येभ्यो नमः!!१२!!
ॐ अश्विभ्यां नमः!!१३!!
ॐ सपैतृकविश्वेभ्यो देवेभ्यो !!१४!!
ॐ सप्तयक्षेभ्यो नमः!!१५!!
ॐ भूतनागेभ्यो नमः!!१६!!
ॐ गन्धर्वाप्सरोभ्यो नमः!!१७!!
ॐ स्कन्दाय नमः!!१८!!
ॐ नन्दीश्वराय नमः!!१९!!
ॐ शूलमहाकालाभ्यां नमः!!२०!!
ॐ दुर्गायै नमः!!२१!!
ॐ विष्णवे नमः!!२२!!
ॐ स्वधासहितपितृभ्यो नमः!!२३!!
ॐ मृत्युरोगाभ्यां नमः!!२४!!
ॐ गणपतये नमः!!२५!!
ॐ अद्भ्यो नमः!!२६!!
ॐ मरुद्भ्यो नमः!!२७!!
ॐ पृथिव्यै नमः!!२८!!
ॐ गंगादिनदीभ्यो नमः!!२९!!
ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!३०!!
ॐ मेरवे नमः!!३१!!
ॐ गदायै नमः!!३२!!
ॐ त्रिशूलायै नमः!!३३!!
ॐ वज्राय नमः!!३४!!
ॐ शक्त्यै नमः!!३५!!
ॐ दण्डाय नमः!!३६!!

ॐ खड्गाय नमः!!३७!!
ॐ पाशाय नमः!!३८!!
ॐ अंकुशाय नमः!!३९!!
ॐ गौतमायै नमः!!४०!!
ॐ भरद्वाजायै नमः!!४१!!
ॐ विश्वामित्रायै नमः!!४२!!
ॐ कश्यपायै नमः!!४३!!
ॐ जमदग्नये नमः!!४४!!
ॐ वसिष्ठायै नमः!!४५!!
ॐ अत्रये नमः!!४६!!
ॐ अरुन्धत्यै नमः!!४७!!
ॐ ऐन्द्यै नमः!!४८!!
ॐ कौमार्यै नमः!!४९!!
ॐ ब्राह्म्यै नमः!!५०!!
ॐ वाराह्यै नमः!!५१!!
ॐ चामुण्डायै नमः!!५२!!
ॐ वैष्णव्यै नमः!!५३!!
ॐ माहेश्वर्यै नमः!!५४!!
ॐ वैनायक्यै नमः!!५५!!
ॐ रां रामाय नमः!!५६!!
ॐ रामचंद्राय नमः!!५७!!
ॐ राजीवलोचनाय नमः!!५८!!
ॐ रावणान्तकाय नमः!!५९!!
ॐ दशरथनंदनाय नमः!!६०!!
ॐ वाचस्पतये नमः!!६१!!
ॐ विश्वरूपाय नमः!!६२!!
ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः!!६३!!
ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः!!६४!!
ॐ रघूद्वहाय नमः!!६५!!
ॐ सीतायै नमः!!६६!!
ॐ जनकात्मजाय नमः!!६७!!
ॐ शाङ्गार्य नमः!!६८!!
ॐ शराय नमः!!६९!!
ॐ चापाय नमः!!७0!!
ॐ हनुमते नमः!!७१!!
ॐ सुग्रीवाय नमः!!७२!!
ॐ भरताय नमः!!७३!!
ॐ विभीषणाय नमः!!७४!!
ॐ लक्ष्मणाय नमः!!७५!!
ॐ अंगदाय नमः!!७६!!
ॐ शत्रुघ्नाय नमः!!७७!!
ॐ जाम्बवते नमः!!७८!!
ॐ सृष्टाय नमः!!७९!!
ॐ जयन्ताय नमः!!८0!!
ॐ विजयाय नमः!!८१!!
ॐ राष्ट्रवर्धनाय नमः!!८२!!
ॐ अकोपाय नमः!!८३!!
ॐ सुमन्ताय नमः!!८४!!
ॐ इन्द्राय नमः!!८५!!
ॐ अग्नये नमः!!८६!!
ॐ यमाय नमः!!८७!!
ॐ नैऋतये नमः!!८८!!

ॐ वरुणाय नमः!!८९!!

ॐ वायवे नमः!!९0!!

ॐ कुबेराय नमः!!९१!!

ॐ ईशानाय नमः!!९२!!

ॐ ब्रह्मणे नमः!!९३!!

ॐ अनन्ताय नमः!!९४!!

ॐ वज्राय नमः!!९५!!

ॐ शक्तये नमः!!९६!!

ॐ दण्डाय नमः!!९७!!

ॐ खड्गाय नमः!!९८!!

ॐ पाशाय नमः!!९९!!

ॐ अंकुशाय नमः!!१००!!

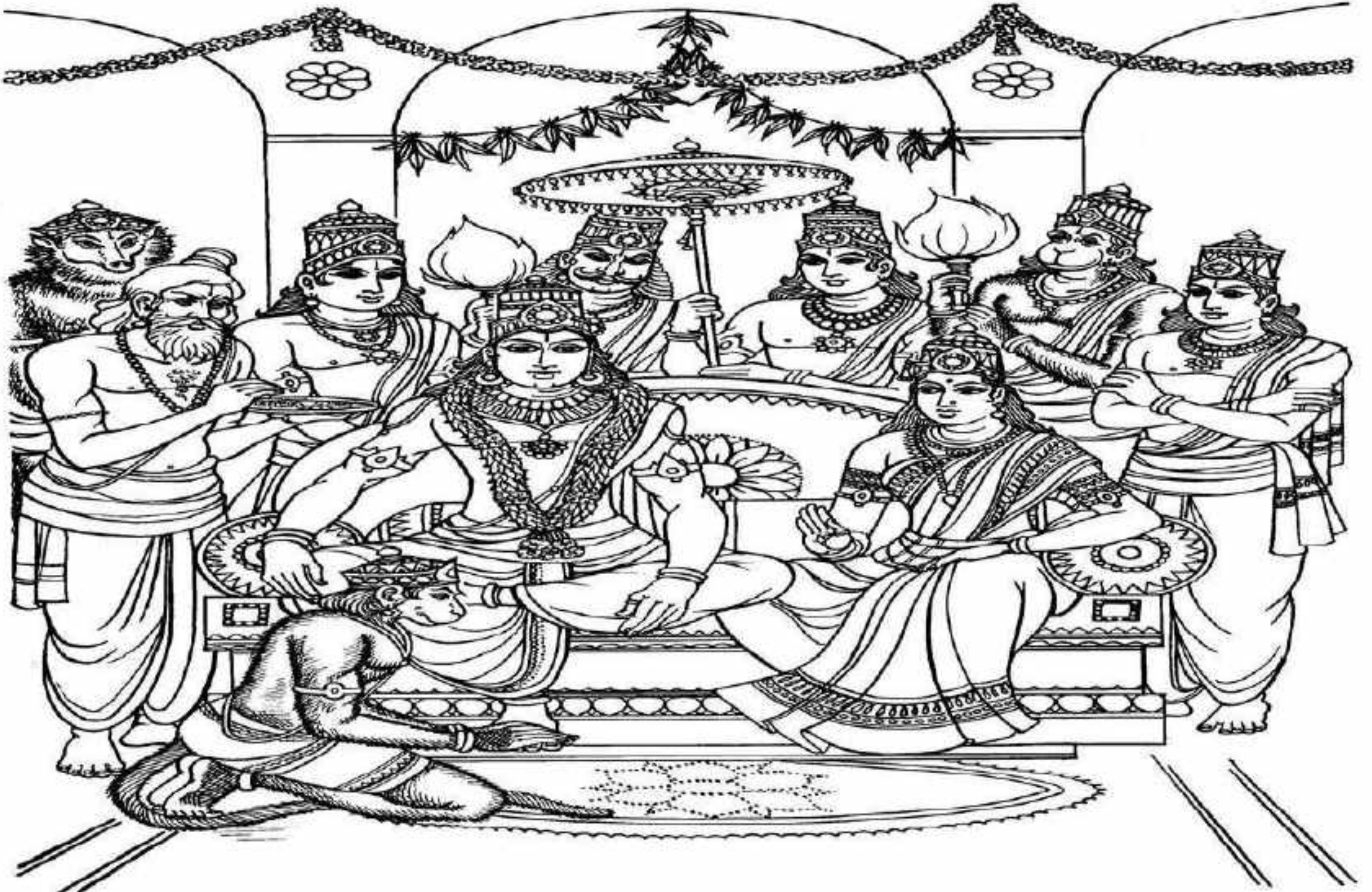
ॐ गदायै नमः!!१०१!!

ॐ त्रिशूलाय नमः!!१०२!!

ॐ पद्माय नमः!!१०३!!

ॐ चक्राय नमः!!१०४!!

!! इति रामभद्र मण्डल देवता !!



!! अथ सूर्य मण्डलम् !!

ॐ सूर्य तेजोमण्डलाय नमः!!१!!
ॐ ब्रह्मणे तेजोमण्डलाय नमः!!२!!
ॐ विष्णवे तेजोमण्डलाय नमः!!३!!
ॐ रुद्राय तेजोमण्डलाय नमः!!४!!
ॐ दीप्तायै नमः!!५!!
ॐ सूक्ष्मायै नमः!!६!!
ॐ जयायै नमः!!७!!
ॐ भद्रायै नमः!!८!!
ॐ विभूत्यै नमः!!९!!
ॐ विमलायै नमः!!१०!!
ॐ अमोघाय नमः!!११!!
ॐ विद्युतायै नमः!!१२!!
ॐ शुक्राय नमः!!१३!!
ॐ सोमाय नमः!!१४!!
ॐ अंगारकाय नमः!!१५!!
ॐ राहवे नमः!!१६!!
ॐ शनैश्वराय नमः!!१७!!
ॐ केतवे नमः!!१८!!
ॐ गुरुवे नमः!!१९!!
ॐ बुधाय नमः!!२०!!
ॐ वैवस्वतमनवे नमः!!२१!!
ॐ अश्विनीकुमाराभ्यां नमः!!२२!!
ॐ संवीर्णाय नमः!!२३!!
ॐ रेवतायप्रभाताय नमः!!२४!!
ॐ भूर्भुवादि सप्त लोकेभ्यःनमः!!२५!!

ॐ रेवन्तादि सप्ताश्वाय नमः!!२६!!
ॐ सुषुम्णा,सुरादना,उदन्वसु,विश्वकर्मा,उदावसु,
विश्वव्यचा हरिकेशादि सप्त रश्मिदेवतायै.नमः!!२७!!
ॐ काली कराली मनोजवादि सप्त जिह्वा
देवतायै.नमः!!२८!!
ॐ सप्तगंधर्व अप्सररसः देवतायै नमः!!२९!!
ॐ सप्त रश्मि देवतायै नमः!!३०!!
ॐ दक्षादि सप्तगणेभ्यो नमः!!३१!!
ॐ तल,अतल,वितल आदि सप्तपाताला
अधिपतये.नमः!!३२!!
ॐआवहाय,प्रवहाय,उद्वहाय,वहाय,विवहाय,
परावहाय,परिवहाय,आदि सप्तमरुद्
गणेभ्यो नमः!!३३!!
ॐ सप्तऋषी नमः!!३४!!
ॐ आदित्याय नमः!!३५!!
ॐ रवये नमः!!३६!!
ॐ भानवे नमः!!३७!!
ॐ भास्कराय नमः!!३८!!
ॐ उषायै नमः!!३९!!
ॐ प्रज्ञायै नमः!!४०!!
ॐ प्रभायै नमः!!४१!!
ॐ संध्यायै नमः!!४२!!
ॐ संज्ञायै नमः!!४३!!
ॐ छायायै नमः!!४४!!
ॐ यमुनायै नमः!!४५!!

ॐ तात्प्यै नमः!!४६!!

ॐ सप्तसागरेभ्यो नमः!!४७!!

ॐ मेरवे नमः!!४८!!

ॐ मधुमासाधिपतये धातायै नमः!!४९!!

ॐ माधवमासाधिपतये अर्यमायै नमः!!५०!!

ॐ शक्रमासाधिपतये मित्रायै नमः!!५१!!

ॐ शुचिमासाधिपतये वरुणायै नमः!!५२!!

ॐ श्रवणमासाधिपतये शक्राय नमः!!५३!!

ॐ भाद्रपदमासाधिपतये विवस्वाने नमः!!५४!!

ॐ आश्विनमासाधिपतये पूषायै नमः!!५५!!

ॐ तपस्यमासाधिपतये पर्जन्याय नमः!!५६!!

ॐ सहमासाधिपतये अंशुवे नमः!!५७!!

ॐ पुष्यमासाधिपतये भङ्गाय नमः!!५८!!

ॐ इस्त्रमासाधिपतये त्वष्टायै नमः!!५९!!

ॐ ऊर्जमासाधिपतये विष्णवे नमः!!६०!!

ॐ इंद्राय नमः!!६१!!

ॐ अग्नये नमः!!६२!!

ॐ यमाय नमः!!६३!!

ॐ निऋतये नमः!!६४!!

ॐ वरुणाय नमः!!६५!!

ॐ वायवे नमः!!६६!!

ॐ कुबेराय नमः!!६७!!

ॐ ईशानाय नमः!!६८!!

ॐ वज्राय नमः!!६९!!

ॐ शक्त्यै नमः!!७०!!

ॐ दण्डाय नमः!!७१!!

ॐ खड्गाय नमः!!७२!!

ॐ पाशाय नमः!!७३!!

ॐ अंकुशाय नमः!!७४!!

ॐ गदायै नमः!!७५!!

ॐ त्रिशूलायै नमः!!७६!!

ॐ ब्राह्म्यै नमः!!७७!!

ॐ कौमार्यै नमः!!७८!!

ॐ वैष्णव्यै नमः!!७९!!

ॐ वाराह्यै नमः!!८०!!

ॐ इंद्राण्यै नमः!!८१!!

ॐ इंद्राण्यै नमः!!८२!!

ॐ चामुण्डायै नमः!!८३!!

ॐ महालक्ष्म्यै नमः!!८४!!



!! अथ अभिषेक !!

हरिः ॐ पयः पृथिव्यां पय ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षे पयोधाः! पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम् !१!!

ॐ पञ्चनद्यः सरस्वतीमपि यन्ति सस्रोतसः! सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित् !!२!!

ॐ वरुणस्योत्तम्भनमसि वरुणस्य स्कम्भसर्जनी स्थो वरुणस्य ऋतसदन्यसिवरुणस्य ऋतसदन्मसि वरुणस्य ऋतसदन्मासीद !!३!!

ॐ पुनन्तु मा देवजनाःपुनन्तु मनसा धियः ! पुनन्तु विश्वा भूतानि जातवेदःपुनीहिमा !!४!!

ॐ देवस्यत्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्याम् !सरस्वत्यै वाचो जन्तुर्जन्त्रिये दधामि बृहस्पतेष्ट्वा साम्राज्येनाभिषिन्चाम्यसौ !!५!!

ॐ देवस्यत्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्याम् !सरस्वत्यै वाचो जन्तु र्जन्त्रेणाग्नेःसाम्राज्येनाभिषिन्चाम्यसौ !!६!!

ॐ देवस्यत्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्याम् !अश्विनौभैषज्येन तेजसे ब्रह्मवर्चसायाभिषिञ्चामि सरस्वत्यै भैषज्येन वीर्जायान्नाद्यायाभिषिञ्चामीन्द्रस्येन्द्रियेण बलाय श्रियै जशसेऽभिषिञ्चामि !!७!!

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परा सुव ! जद् भद्रन्तन्नऽआ सुव !!८!!

ॐ द्यामच्छदग्निरिन्द्रो ब्रह्मा देवो बृहस्पतिः! स चेतसो विश्वे देवा जज्ञं प्रावन्तु नःशुभे !!९!!

ॐ त्वं जविष्ठ दाशुषो नॄँः पाहि शृणुधी गिरः! रक्षा तोकमुत त्मना !!१०!!

ॐ अन्नपतेऽन्नस्य नो देह्यनमीवस्य शुष्मिणः! प्र-प्र दातारं तारिष ऊर्जं नो धेहिद्विपदे चतुष्पदे !!११!!....

ॐ द्यो:शान्तिरन्तरिक्ष७शान्ति:पृथिवी शान्तिराप:शान्तिरोषधय:शान्ति:!
वनस्पतय:शान्तिर्विश्वेदेवा:शान्तिर्ब्रह्म शान्ति:सर्व७शान्ति:शान्तिरेव शान्ति: सामा शान्तिरेधि !!१ २!!

ॐ जतो यत:समीहसे ततो नोऽअभयङ्कुरु ! शन्न: कुरु प्रजाभ्यो भयन्न:पशुभ्य:!!१ ३!!

!! पौराणिक मंत्र:!!

सुरास्त्वामभिषिञ्चन्तु ब्रह्मविष्णुमहेश्वरा:!
वासुदेवोजगन्नाथस्तथा सङ्कर्षणो विभु:!!१!!

प्रद्युम्नश्चानिरुद्धश्च भवन्तु विजयाय ते !
आखण्डलोऽग्निर्भगवान्यमो वै नैऋतिस्तथा !!२!!

वरुण:पवनश्चैव धनाध्यक्षस्तथा शिव:!
ब्रह्मणा सहिता:सर्वे दिक्पाला:पान्तु ते सदा !!३!!

कीर्तिलक्ष्मीर्धृतिमेधा पुष्टि:श्रद्धा क्रिया मति:!
बुद्धिर्लज्जा वपु:शान्ति:कान्तितुष्टिश्च मातर:!!४!!

एतास्त्वामभिषिञ्चन्तु देवपत्न्य:समागता:!
आदित्यश्चन्द्रमा भौमबुधजीवसितार्कजा:!!५!!

ग्रहास्त्वामभिषिञ्चन्तु राहु:केतुश्च तर्पिता:!
ऋषयो मुनयो गावो देवमातर:एव च !!६!!

देवपत्न्यो द्रुमा नागा दैत्याश्चाप्सरसां गणा:!
अस्त्राणि सर्वशस्त्राणि राजानो वाहनानि च !!७!!

ओषधानि च रत्नानि कालस्यावयवाश्च ये !
सरित:सागरो शैलास्तीर्थानि जलदा नदा:!!८!!

भगं ते वरुणो राजा भगं सूर्यो बृहस्पतिः!
भगमिन्द्रश्च वायुश्च भगं सप्तर्षयो विदुः!!२१!!

यत्ते केशेषु दौर्भाग्यं सीमन्ते यश्च मूर्धनि !
ललाटे कर्णयोरक्ष्णोरापो निघ्नन्तु ते सदा !!२२!!

!! ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः सुशान्तिर्भवतु !!

!! इति अभिषेक !!



!! ॐ !!

!! अथ शांति प्रकरणम् !!







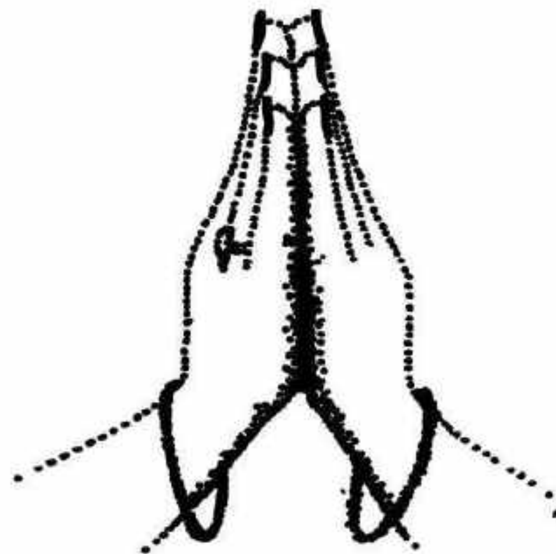


by~prakash pandya & kartik pandya

!! अथ नक्षत्र देवता !!

ॐ उत्तराषाढाधिष्ठित विश्वेभ्यो देवेभ्यो नमः!!१!! ॐ श्रवणाधिष्ठित विष्णवे नमः!!२!!
ॐ धनिष्ठा अधिष्ठित अष्टवसुभ्यो नमः!!३!! ॐ शतभिषा अधिष्ठित वरुणाय नमः!!४!!
ॐ पूर्वाभाद्रपदाधिष्ठित अजैकपादाय नमः!!५!!ॐ उत्तराभाद्रपदाधिष्ठित अहिर्बुध्न्याय नमः!!६!!
ॐ रेवती अधिष्ठित पूषणे नमः!!७!! ॐ अश्विनी अधिष्ठित अश्विभ्यां नमः!!८!!
ॐ भरणी अधिष्ठित यमाय नमः!!९!! ॐ कृत्तिका अधिष्ठित अग्नये नमः!!१०!!
ॐ रोहिणी अधिष्ठित प्रजापतये नमः!!११!! ॐ मृगशीर्ष अधिष्ठित सोमाय नमः!!१२!!
ॐ आर्द्रा अधिष्ठित रुद्राय नमः!!१३!! ॐ पुनर्वसु अधिष्ठित अदितये नमः!!१४!!
ॐ पुष्य अधिष्ठित बृहस्पतये नमः!!१५!! ॐ आश्लेषा अधिष्ठित सर्पाय नमः!!१६!!
ॐ मघा अधिष्ठित पितृभ्यो नमः!!१७!! ॐ पूर्वाफाल्गुनी अधिष्ठित भगाय नमः!!१८!!
ॐ उत्तराफाल्गुनी अधिष्ठित अर्यमणे नमः!!१९!! ॐ हस्त अधिष्ठित सूर्याय नमः!!२०!!
ॐ चित्रा अधिष्ठित त्वष्ट्रे नमः!!२१!! ॐ स्वाती अधिष्ठित वायवे नमः!!२२!!
ॐ विशाखा अधिष्ठित इन्द्राग्निभ्यां नमः!!२३!! ॐ अनुराधा अधिष्ठित मित्राय नमः!!२४!!
ॐ ज्येष्ठा अधिष्ठित इन्द्राय नमः!!२५!! ॐ मूल अधिष्ठित निर्ऋतये नमः!!२६!!
ॐ पूर्वाषाढा अधिष्ठित वरुणाय नमः!!२७!!

!! इति नक्षत्र देवता !!



!! अथ नवनाग सहित नागिनी !!

ॐ अनंताय नमः!!१!!

ॐ वासुकीये नमः!!२!!

ॐ शेषाय नमः!!३!!

ॐ पद्मनाभाय नमः!!४!!

ॐ कंबलाय नमः!!५!!

ॐ शंखपालाय नमः!!६!!

ॐ धृतराष्ट्राय नमः!!७!!

ॐ तक्षकाय नमः!!८!!

ॐ मध्ये कालीय नमः!!९!!

!! नागशक्ति !!

ॐ जरत्कारु !!१!!

ॐ जगद् गौरी !!२!!

ॐ मनसा !!३!!

ॐ सिद्धयोगिनी !!४!!

ॐ वैष्णवी !!५!!

ॐ नागभागिनी !!६!!

ॐ शैवी !!७!!

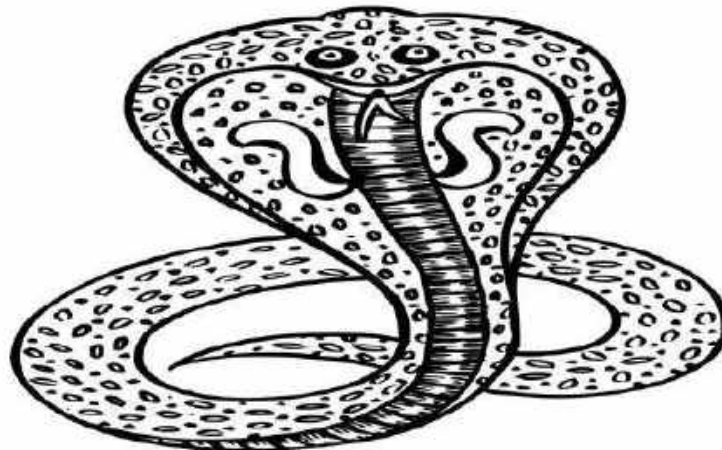
ॐ नागेश्वरी !!८!!

ॐ जगत्कारुप्रिया !!९!!

ॐ आस्तीक माता !!१०!!

ॐ विषहरा !!११!!

ॐ महाज्ञानयुता !!१२!!



!! अथ कालसर्पशांति !!

!! स्थापन क्रम !!

गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!! सर्वतोभद्र मण्डलम् !!३!!
काल-राहु-सर्प-स्थापनम् !!४!! नवग्रह स्थापनम् !!५!! ब्रह्मा स्थापनम् !!६!!

!! प्रधान स्थापनम् !! सर्वतोभद्र मण्डल देवता एवं नवनाग आवाह्नम् !
काल-राहु-सर्प- सहितं मनसादेवी आवाह्नम् !

!! प्रधान होम !! राहुमंत्रेण वा नाममंत्रेण १८००० का दशांश होम !!१!!



अधिदेवता प्रत्याधिदेवता का १०८ वा २८ नाम मंत्रेण होम !!२!!
सर्वतोभद्रमंडल देवता होम !!३!!चरु द्रव्येण मनसादेवी के मंत्रसे
१०८ आहुति !!४!! नवनागदेवतानां संकल्प अनुसारेण होमं !!५!!
सर्पसूक्तेन शतं-सहस्त्रं वा यथाशक्ति होम !!६!! क्षीर बलिदानम् !!

!! इति कालसर्पशान्ति !!

!! अथ गौमुख प्रसवशांति !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् !!३!!नवग्रह स्थापनम् !!४!! ब्रह्मा स्थापनम् !!५!!

!! प्रधान देवता !!ॐ विष्णवे नमः!!१!!ॐ वरुणाय नमः!!२!!ॐ यक्ष्मणे नमः!!३!!

!! प्रधान होम !! विष्णु आदि स्थापित देवतानां मिलित दधि,मधु,आज्यैःहोमः!
विष्णु एकाहुतिः! वरुणस्य चत्वारः! यक्ष्मणः अष्टौ अष्टाविंशतिःवा
नाममंत्रेण मंत्रेण वा !!

!! इति गौमुख प्रसवशांति !!



!! अथ आश्लेषाशांति !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (३-कलश)!!३!!
नवग्रह स्थापनम् !!४!! ब्रह्मा स्थापनम् !!५!!
पंचकलश स्थापनम् !!६!!गौमुखदेवता स्थापनम् !!७!!

!! प्रधान देवता !! मध्य कलश मे सर्पाय नमः!!१!!
दक्षिण कलश मे बृहस्पतये नमः!!२!!
वाम कलश मे पितृभ्यो नमः!!३!!
तथा शेष नक्षत्रो का आवाह्न !!४!! पंचकलश मे मध्ये रुद्र का आवाह्न ओर अन्य कलश मे वरुण का आवाह्न करे !!

!! प्रधान होम !! ॐ नमोऽस्तु सर्पेभ्यो० वा नाममंत्रेण १०८ आहुति !!१!!
ॐ बृहस्पते० वा नाममंत्रेण २८ आहुति !!२!!
ॐ उदीरतामवर० वा नाममंत्रेण २८ आहुति !!३!!
नवनागदेवतानां अष्ट-अष्ट आहुति !!४!!
भगादिनक्षत्र देवतानां प्रतिदेवता ८ आहुति !!५!!
दिक्पालानां ८ आहुति !!६!!
पायसमध्ये तिलान् निक्षिप्य प्रतिदेवतायाःअष्ट-अष्ट आहुति देयाः!

ॐ निऋतये नमः!!१!!
ॐ सवित्रे नमः!!२!!
ॐ दुर्गायै नमः!!३!!
ॐ वास्तोष्पतये नमः!!४!!
ॐ अग्नये नमः!!५!!
ॐ क्षेत्रपालाय नमः!!६!!
ॐ मित्रावरुणाभ्यां नमः!!७!!
ॐ अग्नये नमः!!८!!
ॐ रुद्राय नमः!!९!!

समिदाज्यचरुद्रव्यैःअष्ट आहुति ॐ श्रियै नमः!! केवल पायसेन अष्ट आहुति ॐ सोमाय नमः!! चतुर्वारं स्रुचिं पूरयित्वा ॐ महारुद्राय नमः!!

!! इति आश्लेषाशांति !!

!! अथ ज्येष्ठाशांति !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् !!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! पंचकलश स्थापनम् !!६!!
गौमुखदेवता स्थापनम् !!७!!

!! प्रधान देवता !! ॐ इन्द्राय नमः!!१!!
अन्य नक्षत्रदेवता तथा दिक्पालदेवता आवाह्न !!२!!
पंचकलश मे कलश मे वरुण का आवाह्न करे !!३!!

!! प्रधान होम !! ॐ त्रातारमिन्द्र० वा नाममंत्रेण १०८ आहुति !!१!!
नक्षत्र देवतानां प्रतिदेवता अष्ट-अष्ट आहुति !!२!!
लोकपालदेवतनां ८ आहुति !!३!!
त्र्यंबक मंत्रेण वा नाममंत्रेण १०८ आहुति !!४!!

!! इति ज्येष्ठाशांति !!





!! अथ मूलशांति !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (३-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! पंचकलश स्थापनम् !!६!!
गौमुखदेवता स्थापनम् !!७!!

!! प्रधान देवता !! मध्य कलश मे,ॐ नैऋतये नमः!!१!! दक्षिण कलश मे,
ॐ इन्द्राय नमः!!२!! वाम कलश मे,ॐ वरुणाय नमः!!३!!
तथा शेष नक्षत्रो का आवाहन !!४!! पंचकलश मे मध्ये रुद्र का
आवाहन ओर अन्य कलश मे वरुण का आवाहन करे !!

!! प्रधान होम !! ॐ असुन्वन्त० वा नाममंत्रेण १०८ आहुति !!१!!
ॐ त्रातारमिन्द्र० वा नाममंत्रेण २८ आहुति !!२!!
ॐ उदुत्तमं० वा नाममंत्रेण २८ आहुति !!३!!
नक्षत्र देवतानां प्रतिदेवता ८-८ आहुति !!४!!
दिक्पालानां एक-एक आहुति !!५!!

पायसमध्ये तिलान् निक्षिप्य प्रतिदेवता अष्ट-अष्ट आहुति देयाः!

ॐ निऋतये नमः!!१!!
ॐ सवित्रे नमः!!२!!
ॐ दुर्गायै नमः!!३!!
ॐ वास्तोष्पतये नमः!!४!!
ॐ अग्नये नमः!!५!!
ॐ क्षेत्रपालाय नमः!!६!!
ॐ मित्रावरुणाभ्यां नमः!!७!!
ॐ अग्नये नमः!!८!!

समिदाज्यचरुद्रव्यैः ८ आहुति ॐ श्रियै नमः!! केवल पायसेन १३ आहुति
ॐ सोमाय नमः!! चतुर्वारं स्रुचिं पूरयित्वा ॐ महारुद्राय नमः!!

!! इति मूलशांति !!



!! अथ वैधृतिशांति !!

!! स्थापन क्रम !!

गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (३-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! गौमुखदेवता स्थापनम् !!६!!

!! प्रधान देवता !! मध्ये ॐ रुद्राय नमः!!१!! अधिदेवता ॐ सूर्याय नमः!!२!!
प्रत्याधिदेवता ॐ चन्द्राय नमः!!३!!

!! प्रधान होम !! प्रधानदेव रुद्र की ८०००,१०००,वा १०८ आहुति !!१!!
सूर्यसोमयोः१०८,२८ वा आहुति !!२!!
त्र्यंबक मंत्रेण वा नाममंत्रेण १०८ तिलाहुतिः!!३!!

!! इति वैधृतिशांति !!

!! अथ व्यतिपातशांति-संक्रांतिशांति !!

!! स्थापन क्रम !!

गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (३-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! गौमुखदेवता स्थापनम् !!६!!

!! प्रधान देवता !! मध्ये ॐ सूर्याय नमः!!१!! अधिदेवता ॐ अग्नये नमः!!२!!
प्रत्याधिदेवता ॐ त्र्यंबकाय नमः!!३!!

!! प्रधान होम !! प्रधानदेव सूर्य की समित्-आज्य-चरुभिः८०००,१०००,वा
१०८ आहुति !!१!! अग्निरुद्रयोः१०८,२८ वा आहुति !!२!!
त्र्यंबक मंत्रेण वा नाममंत्रेण १०८ तिलाहुतिः!!३!!

!! इति व्यतिपातशांति-संक्रांतिशांति !!

!! अथ दर्शशांति(अमावस्या)!!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (३-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!!

!! प्रधान देवता !! मध्य-कलश ॐ पितृभ्यो नमः!!१!!
दक्षिण-कलश ॐ चन्द्राय नमः!!२!!
वाम-कलश ॐ सूर्याय नमः!!३!!

!! प्रधान होम !! ॐ पितृभ्यः०वा नाममंत्रेण १०८ आहुति !!१!!
ॐ सोमाय० २८ आहुति !!२!! ॐ सूर्याय० २८ आहुति !!३!!
समित्-चरु-आज्येन जुहुयात् !

!! इति दर्शशांति(अमावस्या)!!

!! अथ ग्रहणजनन शांति !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (३-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! गौमुखप्रसव स्थापनम् !!६!!

!! प्रधान देवता !! सूर्यग्रहणे....मध्ये सूर्य ! दक्षिणे राहु ! उत्तरे नक्षत्रदेवता जिस नक्षत्र मे जन्म हुवा है उस नक्षत्र के देवता !
चन्द्रग्रहणे...मध्ये चन्द्र ! दक्षिणे राहु ! उत्तरे नक्षत्रदेवता !

!! प्रधान होम !! समित्-चरु-तिल-आज्य द्रव्यैः सूर्य-चन्द्र-राहु नक्षत्रदेवता १०८ आहुति ! सूर्यस्य अर्कः! चन्द्रस्य पलाशः!
राहोः दूर्वा समित् भवेत् !

!! इति ग्रहणजनन शांति !!

!! अथ विनायकशांति !!

!! स्थापन क्रम !!

गणेश स्थापनम् !!१!! प्रधानस्थापन !!२!! श्वेतवस्त्र के ऊपर पंचकलश !!३!!

नवग्रह स्थापनम् !!४!! ब्रह्मा स्थापनम् !!५!!

!! प्रधान देवता !! विनायक-अंबिका आदि देवता !! ॐ व्योमकेशाय नमः!!१!!

ॐ पार्वत्यै नमः!!२!!	ॐ शुक्राय नमः!!१०!!	ॐ यमाय नमः!!१८!!
ॐ भीमजाय नमः!!३!!	ॐ शनैश्चराय नमः!!११!!	ॐ निॠतये नमः!!१९!!
ॐ वसुदेवाय नमः!!४!!	ॐ राहवे नमः!!१२!!	ॐ वरुणाय नमः!!२०!!
ॐ अर्काय नमः!!५!!	ॐ केतवे नमः!!१३!!	ॐ वायवे नमः!!२१!!
ॐ सोमाय नमः!!६!!	ॐ बाहुलेयाय नमः!!१४!!	ॐ सोमाय नमः!!२२!!
ॐ भौमाय नमः!!७!!	ॐ विष्णवे नमः!!१५!!	ॐ ईशानाय नमः!!२३!!
ॐ बुधाय नमः!!८!!	ॐ इन्द्राय नमः!!१६!!	ॐ ब्रह्मणे नमः!!२४!!
ॐ गुरवे नमः!!९!!	ॐ अग्नये नमः!!१७!!	ॐ अनंताय नमः!!२५!!

!! प्रधान होम !!

चरु द्रव्येण- मिताय स्वाहा ! संमिताय० ! शालाय० ! कटंकटाय० !
कूष्मांडाय० ! राजपुत्राय० ! पुनः चरु द्रव्येण- व्योमकेशादि देवता होम !!
गणेशस्य अंबिकायाः सहस्त्रं-अष्टोत्तरशत वा आहुति !!
पंचकलश से पृथक्-पृथक् कलश से अभिषेक करे !!

!! इति विनायकशांति !!



!! अथ उग्ररथशांति !!

!! स्थापन क्रम !!

गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!! प्रधानदेवता मार्कण्ड !!३!!
नवग्रह स्थापनम् !!४!! ब्रह्मा स्थापनम् !!५!!

!! प्रधानदेवता !! !! मार्कण्डेय पूजनं अंगपूजा अष्टोत्तरनामावली आदि पूजा !!

ॐ मार्कण्डेयाय नमः!!१!!
ॐ मृत्यवे नमः!!२!!
ॐ महारुद्राय नमः!!३!!
ॐ मृत्युंजयाय नमः!!४!!
ॐ यमाय नमः!!५!!
ॐ अश्वत्थाम्ने नमः!!६!!
ॐ बलये नमः!!७!!
ॐ व्यासाय नमः!!८!!
ॐ हनुमते नमः!!९!!
ॐ बिभीषणाय नमः!!१०!!
ॐ कृपाय नमः!!११!!
ॐ परशुरामाय नमः!!१२!!
ॐ संवत्सरदेवताभ्यःनमः!!१३!!
ॐ रुतुदेवताभ्यःनमः!!१४!!
ॐ मासदेवताभ्यःनमः!!१५!!
ॐ पक्षदेवताभ्यःनमः!!१६!!
ॐ नक्षत्रदेवताभ्यःनमः!!१७!!
ॐ राशिदेवताभ्यःनमः!!१८!!
ॐ वारदेवताभ्यःनमः!!१९!!
ॐ गणपतये नमः!!२०!!
ॐ दुर्गायै नमः!!२१!!
ॐ क्षेत्रपालाय नमः!!२२!!
ॐ वास्तोष्पतये नमः!!२३!!
ॐ त्र्यंबकाय नमः!!२४!!
ॐ अभयंकराय नमः!!२५!!
ॐ षष्ठिदेवतायै नमः!!२६!!
ॐ वर्धमानाय नमः!!२७!!
ॐ विष्णवे नमः!!२८!!
ॐ इन्द्राय नमः!!२९!!
ॐ अग्नये नमः!!३०!!
ॐ यमाय नमः!!३१!!
ॐ निऋतये नमः!!३२!!
ॐ वरुणाय नमः!!३३!!
ॐ वायवे नमः!!३४!!
ॐ सोमाय नमः!!३५!!
ॐ ईशानाय नमः!!३६!!
ॐ ब्रह्मणे नमः!!३७!!
ॐ अनंताय नमः!!३८!!

!! प्रधान होम !!

मार्कण्डेय-सहस्त्र !!१!! महारुद्र-सहस्त्र !!२!! मृत्यंजय-सहस्त्र !!३!!
मृत्यु ! यम ! षष्ठिदेवता ! सप्त चिरंजीवी ! दिक्पालदेवता !
प्रत्येक की अष्टोत्तरशत आहुति !!४!!

!! इति उग्ररथशांति !!

!! अथ सिनीवाली-कुहू शांति !!

note-> सिनीवाली- चतुर्दशी युक्त अमावस्या)(कुहू- प्रतिपदा युक्त अमावस्या)
दोनो में कालभेद से नामभेद है, विधि समान है !

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (३-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! पंचकलश स्थापनम् !!६!!

!! प्रधान देवता !! प्रथम-कलश ॐ रुद्राय नमः!!१!!
द्वितीय-कलश ॐ इन्द्राय नमः!!२!!
तृतीय-कलश ॐ पितृभ्यो नमः!!३!!
पंचकलश मे वरुण का आवाह्न !!४!!

!! प्रधान होम !! ॐ रुद्राय० १००८,१०८ आहुति !!१!!
ॐ इन्द्राय० १००८,१०८ आहुति !!२!!
ॐ पितृभ्यो० १००८,१०८ आहुति !!३!!
समित्-चरु-तिल-आज्येन जुहुयात्-त्र्यंबक मंत्रेण तिलहोमः!!४!!

!! इति सिनीवाली-कुहू शांति !!



!! अथ यमलजनन शांति !!

note-> कोइ भी प्राणि दो बच्चों को जन्म दे तो इस का विधान आवश्यक है ! इस मे अभिषेक पश्चात् अग्नि स्थापन है !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (८-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!!

!! प्रधान देवता !! अष्ट कलश मे वरुण का आवाह्न करे !!ओर अभिषेक करे !

!! प्रधान होम !! समित्-चरु-आज्येन ॐ अद्भ्यःस्वाहा ३ आहुति !!१!!
ॐ इन्द्राय स्वाहा ३ आहुति !!२!!
ॐ वरुणाय स्वाहा १ आहुति !!३!!
ॐ अद्भ्यःस्वाहा २ आज्येन !!४!!
प्रत्येकं चरु आहुति ॐ अग्नये०! ॐ सोमाय०! ॐ पवमानाय०!
ॐ पावकाय०! ॐ मारुताय०! ॐ मरुद्भ्यः०! ॐ यमाय०!
ॐ अंतकाय०! ॐ मृत्यवे स्वाहा !

!! इति यमलजनन शांति !!





!! अथ त्रिकप्रसवशांति !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (५-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! पंचकलश स्थापनम् !!६!!
गौमुखप्रसव स्थापनम् !!७!!

!! प्रधान देवता !! प्रथम-कलश ॐ ब्रह्मणे नमः!!१!!
द्वितीय-कलश ॐ विष्णवे नमः!!२!!
तृतीय-कलश ॐ महेशाय नमः!!३!!
चतुर्थ-कलश ॐ इन्द्राय नमः!!४!!
पंचम-कलश ॐ रुद्राय नमः!!५!!

!! प्रधान होम !! ॐ ब्रह्मणे० १००८,१०८,२८ आहुति !!१!!
ॐ विष्णवे० १००८,१०८,२८ आहुति !!२!!
ॐ महेशाय० १००८,१०८,२८ आहुति !!३!!
ॐ इन्द्राय० १००८,१०८,२८ आहुति !!४!!
ॐ रुद्राय० १००८,१०८,२८ आहुति !!५!!

!! इति त्रिकप्रसवशांति !!



!! अथ कार्तिके स्त्रीप्रसूता शांति !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! प्रधान स्थापनम् (४-कलश)!!२!!
नवग्रह स्थापनम् !!३!! ब्रह्मा स्थापनम् !!४!!

!! प्रधान देवता !! पूर्व-कलश ॐ ब्रह्मणे नमः!!१!! दक्षिण-कलश
ॐ विष्णवे नमः!!२!! पश्चिम-कलश ॐ रुद्राय नमः!!३!!
उत्तर-कलश ॐ सूर्याय नमः!!४!! मृत्युंजय का जाप करे
लक्ष,दशसहस्र,वा !!

!! प्रधान होम !!

ॐ सूर्याय स्वाहा !!१!!
ॐ ब्रह्मणे स्वाहा !!२!!
ॐ विष्णवे स्वाहा !!३!!
ॐ रुद्राय स्वाहा !!४!!
ॐ शंभवे स्वाहा !!५!!
ॐ ईशाय स्वाहा !!६!!
ॐ पशुपतये स्वाहा !!७!!
ॐ शिवाय स्वाहा !!८!!
ॐ शूलिने स्वाहा !!९!!
ॐ महेश्वराय स्वाहा !!१०!!
ॐ ईश्वराय स्वाहा !!११!!
ॐ शर्वाय स्वाहा !!१२!!
ॐ ईशानाय स्वाहा !!१३!!
ॐ शंकराय स्वाहा !!१४!!
ॐ चन्द्रशेखराय स्वाहा !!१५!!
ॐ भूतेशाय स्वाहा !!१६!!
ॐ खण्डपरशवे स्वाहा !!१७!!
ॐ गिरीशाय स्वाहा !!१८!!
ॐ मृडाय स्वाहा !!१९!!
ॐ मृत्युंजयाय स्वाहा !!२०!!
ॐ कृत्तिवाससे स्वाहा !!२१!!
ॐ पिनाकिने स्वाहा !!२२!!
ॐ प्रमथाधिपाय स्वाहा !!२३!!
ॐ उग्राय स्वाहा !!२४!!
ॐ कपर्दिने स्वाहा !!२५!!
ॐ श्री कण्ठाय स्वाहा !!२६!!
ॐ शितिकंठाय स्वाहा !!२७!!
ॐ कपालभृते स्वाहा !!२८!!
ॐ वामदेवाय स्वाहा !!२९!!
ॐ विरूपाक्षाय स्वाहा !!३०!!
ॐ त्रिलोचनाय स्वाहा !!३१!!
ॐ कृशानुरेतसे स्वाहा !!३२!!
ॐ सर्वज्ञाय स्वाहा !!३३!!
ॐ धूर्जटये स्वाहा !!३४!!
ॐ नीललोहिताय स्वाहा !!३५!!
ॐ स्मरहराय स्वाहा !!३६!!
ॐ भर्गाय स्वाहा !!३७!!
ॐ त्र्यंबकाय स्वाहा !!३८!!
ॐ त्रिपुरान्तकाय स्वाहा !!३९!!
ॐ गंगाधराय स्वाहा !!४०!!

त्र्यंबक मंत्र से घृताक्त बिल्व पत्रो से होम करे !
पश्चाद अभिषेक करे मूलशांति वत् !

!! इति कार्तिके स्त्रीप्रसूता शांति !!

!! अथ कृष्णचतुर्दशीजनन शांति !!

note-> चतुर्दशी के छह भाग करे ! अगर द्वितीय,तृतीय, वा षष्ठ भाग मे जन्म हो तो गौमुखप्रसव पश्चात् यह शांति करे ! अन्य तीन भाग मे जन्म हो तो केवल शांति करे !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् (५-कलश)!!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! गौमुखप्रसव स्थापनम् !!६!!

!! प्रधान देवता !! पंचकलश मे मध्य रुद्र का आवाहन करे अन्य कलश मे वरुण का आवाहन करे !!

!! प्रधान होम !! अश्वत्थ,प्लक्ष,पलाश,खदिर,समिद्भिःचरु-आज्य-तिल-माष-सर्षपैःप्रतिद्रव्यं रुद्रमंत्रेण वा नाममंत्रेण १००८,१०८,२८ वा आहुति !!१!! त्र्यंबक मंत्रेण तिलहोमः!!२!!

!! इति कृष्णचतुर्दशीजनन शांति !!

!! अथ एक नक्षत्रजनन शांति !!

note-> पिता-पुत्र अथवा भाइयों का जन्मनक्षत्र एक हो तो यह शांति करे !

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! कुलदेवी स्थापनम् !!२!!
प्रधान स्थापनम् !!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! गौमुखप्रसव स्थापनम् !!६!!

!! प्रधान देवता !! जिस नक्षत्र मे जन्म हो उस नक्षत्रदेवता का आवाहन !!

!! प्रधान होम !! समित्-चरु-आज्येन नक्षत्रदेवता का मंत्रेण वा नाममंत्रेण १०८ आहुति !!१!!

!! इति एक नक्षत्रजनन शांति !!

!! अथ अभिषेक !!

शांति में अभिषेक का विशेष महत्त्व है ! सभी कलशो का जल - पात्र में लेकर यजमान.यजमानपत्नी एवं शिशु पर शतछिद्र कुंभ रखकर अभिषेक करे !

(१) वारुणमंत्र०! (२) अभिषेकमंत्र (३) शिवसंकल्पसूक्त (४) पवमानसूक्त (५)

योऽसौ वज्रधरो देवो महेन्द्रो गजवाहनः!
सार्पजातं शिशोर्दोषं मातापित्रोर्व्यपोहतु !!१!!

योऽसौ शक्तिधरो देवो हुतभुग् मेषवाहन !
सप्तजिह्वश्च देवोऽग्निः सार्पदोषं व्यपोहतु !!२!!

योऽसौ दंडधरो देवो धर्मो महिषवाहनः!
सार्पजातशिशोर्दोषं व्यपोहतु यमो मम !!३!!

योऽसौ खड्गधरो देवो निऋती राक्षसाधिपः!
प्रशामयतु सार्पोत्थं दोषं गंडांत संभवम् !!४!!

योऽसौ पाशधरो देवो वरुणश्च जलेश्वरः!
नक्रवाहःप्रचेतानो सार्पोत्थाघं व्यपोहतु !!५!!

योऽसौ देवो जगत्प्राणो मारुतो मृगवाहनः!
प्रशामयतु सार्पोत्थं दोषं बालस्य शांतये !!६!!

योऽसौ निधिपतिर्देवःखड्गभृद् वाजिवाहनः!
मातापित्रोःशिशोश्चैव सार्पदोषं व्यपोहतु !!७!!

योऽसौ पशुपतिर्देवःपिनाकी वृषवाहनः!
आश्लेषा मूलगंडातं दोषं आशु व्यपोहतु !!८!!

विघ्नेशःक्षेत्रपो दुर्गा लोकपाला नवग्रहाः!
सार्पदोष प्रशमनं सर्वे कुर्वन्तु शांतिदाः!!९!!

आश्लेषाऋक्षजातस्य मातापित्रोर्धनस्य च !
भ्रातृज्ञाति कुलस्थानां दोषं सर्वं व्यपोहतु !!१०!!

योऽसौ वागीश्वरो नाम ह्यधिदेवो बृहस्पतिः!
मातापित्रोःशिशोश्चैव गंडातं संव्यपोहतु !!११!!

पितरःसर्वभूतानां रक्षंतु पितरःसदा !
सार्पनक्षत्र जातस्य वित्तं च ज्ञाति बान्धवान् !!१२!!

सुरास्त्वामभिषिञ्चन्तु ब्रह्मविष्णुमहेश्वराः!
वासुदेवो जगन्नाथस्तथा सङ्कर्षणो विभुः!!१३!!

प्रद्युम्नश्चानिरुद्धश्च भवन्तु विजयाय ते !
आखण्डलोऽग्निर्भगवान्यमो वै नैऋतिस्तथा !!१४!!

वरुणःपवनश्चैव धनाध्यक्षस्तथा शिवः!
ब्रह्मणा सहिताःसर्वे दिक्पालाःपान्तु ते सदा !!१५!!

कीर्तिलक्ष्मीर्धृतिमेधा पुष्टिःश्रद्धा क्रिया मतिः!
बुद्धिर्लज्जा वपुःशान्तिःकान्तितुष्टिश्च मातरः!!१६!!

एतास्त्वामभिषिञ्चन्तु देवपत्न्यःसमागताः!
आदित्यश्चन्द्रमा भौमबुधजीवसितार्कजाः!!१७!!

ग्रहास्त्वामभिषिञ्चन्तु राहुःकेतुश्च तर्पिताः!
ऋषयो मुनयो गावो देवमातरःएव च !!१८!!

देवपत्न्योद्रुमानागादैत्याश्चाप्सरसां गणाः!
अस्त्राणि सर्वशस्त्राणि राजानो वाहनानि च !!१९!!

ओषधानि च रत्नानि कालस्यावयवाश्च ये !
सरितःसागरोशैलास्तीर्थानि जलदा नदाः!एतास्त्वामभिषिञ्चन्तु सर्वकामार्थसिद्धये!!२०!!

भगं ते वरुणो राजा भगं सूर्यो बृहस्पतिः!
भगमिन्द्रश्च वायुश्च भगं सप्तर्षयो विदुः!!२१!!

यत्ते केशेषु दौर्भाग्यं सीमन्ते यश्च मूर्धनि !
ललाटे कर्णयोरक्ष्णोरापो निघ्नन्तु ते सदा !!२२!!

!! ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः सुशान्तिर्भवतु !!

!! इति अभिषेक !!

!! इति शांति प्रकरणम् !!

!! ॐ !!

!! अथ श्राद्ध प्रकरणम् !!



आयुःप्रजां धनं विद्यां स्वर्गं मोक्षं सुखानि च !

प्रयच्छन्ति तथा राज्यं पितरःश्राद्धतर्पिताः!!

by~prakash pandya & kartik pandya

!! अथ अष्टशक्तिसहित सत्येश स्थापनम् !!

एशान्यां ॐ रुक्मीनिण्यै नमः!!१!! पूर्वे ॐ सत्यभामायै नमः!!२!!
आग्नये ॐ जांबूवत्यै नमः!!३!! दक्षिणे ॐ सत्यायै नमः!!४!!
नैऋतये ॐ कालिन्द्यै नमः!!५!! पश्चिमे ॐ मित्रविन्दायै नमः!!६!!
वायवे ॐ लक्ष्मणायै नमः!!७!! उत्तरे ॐ चारुहासिन्यै नमः!!८!!
मध्ये ॐ सत्येशाय नमः!!९!!

!! इति अष्टशक्तिसहित सत्येश स्थापनम् !!

!! अथ प्रेत स्थापनम् !! (नारायणबली श्राद्ध)

ॐ आद्यप्रेताय नमः!!१!!
ॐ क्रौंचप्रेताय नमः!!२!!
ॐ बिभीतकप्रेताय नमः!!३!!
ॐ हयग्रीवप्रेताय नमः!!४!!
ॐ हयाननप्रेताय नमः!!५!!
ॐ खरमुखप्रेताय नमः!!६!!
ॐ दीर्घदन्तिप्रेताय नमः!!७!!
ॐ रौरवप्रेताय नमः!!८!!
ॐ कालरुपप्रेताय नमः!!९!!
ॐ विकटप्रेताय नमः!!१०!!
ॐ विक्रालरुपप्रेताय नमः!!११!!
ॐ काकौलप्रेताय नमः!!१२!!
ॐ महिषास्यप्रेताय नमः!!१३!!

!! अथ प्रेत स्थापनम् !! (प्रेतबली श्राद्ध)

ॐ प्रेतराजाय नमः!!१!!
ॐ महाप्रेताय नमः!!२!!
ॐ यमप्रेताय नमः!!३!!
ॐ कालरूपप्रेताय नमः!!४!!
ॐ करालरूपप्रेताय नमः!!५!!
ॐ कृशरूपप्रेताय नमः!!६!!
ॐ भीमप्रेताय नमः!!७!!
ॐ भयानकप्रेताय नमः!!८!!
ॐ घोरप्रेताय नमः!!९!!
ॐ महाघोरप्रेताय नमः!!१०!!
ॐ अघोरप्रेताय नमः!!११!!
ॐ केतुप्रेताय नमः!!१२!!
ॐ भूतप्रेताय नमः!!१३!!

!! इति प्रेत स्थापनम् !!

!! अथ चतुर्दशयम स्थापनम् !!

ॐ यमाय नमः!!१!!
ॐ धर्मराजाय नमः!!२!!
ॐ मृत्यवे नमः!!३!!
ॐ अन्तकाय नमः!!४!!
ॐ वैवस्वताय नमः!!५!!
ॐ कालाय नमः!!६!!
ॐ सर्वभूतक्षाय नमः!!७!!
ॐ औदुम्बराय नमः!!८!!
ॐ दध्नाय नमः!!९!!
ॐ नीलाय नमः!!१०!!
ॐ परमेष्ठिने नमः!!११!!
ॐ वृकोदराय नमः!!१२!!
ॐ चित्राय नमः!!१३!!
ॐ चित्रगुप्ताय नमः!!१४!!

!! इति चतुर्दशयम स्थापनम् !!

!! अथ पंचदेवता स्थापनम् !!

ॐ ब्रह्मणे नमः!!१!! ॐ विष्णवे नमः!!२!! ॐ रुद्राय नमः!!३!!
ॐ यमाय नमः!!४!! ॐ तत्पुरुषाय नमः!!५!!

!! इति पंचदेवता स्थापनम् !!

!! अथ काल्यादि प्रेतमातृका !!

ॐ काल्यै नमः!!१!! ॐ कराल्यै नमः!!२!! ॐ विकटायै नमः!!३!!
ॐ भीषणायै नमः!!४!! ॐ महोत्कटायै नमः!!५!! ॐ संहारिण्यै नमः!!६!!
ॐ दुराधर्षायै नमः!!७!!

!! इति काल्यादि प्रेतमातृका !!

!! अथ एकादशरुद्र !!

ॐ वीरभद्राय नमः!!१!!
ॐ शंभवे नमः!!२!!
ॐ गिरिशयाय नमः!!३!!
ॐ महायशसे नमः!!४!!
ॐ अजैकपादाय नमः!!५!!
ॐ अहिर्बुध्न्याय नमः!!६!!
ॐ पिनाकिने नमः!!७!!
ॐ अपराजिताय नमः!!८!!
ॐ भुवनाधिश्वराय नमः!!९!!
ॐ कपालिने नमः!!१०!!
ॐ विशांपतये नमः!!११!!
ॐ स्थाणवे नमः!!१२!!
ॐ रुद्राय नमः!!१३!!

!! इति एकादशरुद्र !!

!! अथ भूत स्थापनम् !!

ॐ महाभूताय नमः!!१!!
ॐ क्रौंचभूताय नमः!!२!!
ॐ बिभीतकभूताय नमः!!३!!
ॐ हयग्रीवभूताय नमः!!४!!
ॐ हयाननभूताय नमः!!५!!
ॐ खरमुखभूताय नमः!!६!!
ॐ दीर्घदन्तिभूताय नमः!!७!!
ॐ रौरवभूताय नमः!!८!!
ॐ कालरुपभूताय नमः!!९!!
ॐ विकटभूताय नमः!!१०!!
ॐ विक्रालरुपभूताय नमः!!११!!
ॐ काकौलभूताय नमः!!१२!!
ॐ महिषास्यभूताय नमः!!१३!!

!! इति भूत स्थापनम् !!

!! अथ विष्णुआदि द्वादशश्रवणदेवता !!

ॐ विष्णवे नमः!!१!!
ॐ पुरुषोत्तमाय नमः!!२!!
ॐ शाङ्‌र्गधन्विने नमः!!३!!
ॐ गरुडध्वजाय नमः!!४!!
ॐ अनंताय नमः!!५!!
ॐ गोवर्धनाय नमः!!६!!
ॐ नित्याय नमः!!७!!
ॐ देवगर्भाय नमः!!८!!
ॐ यज्ञपुरुषाय नमः!!९!!
ॐ सुब्रह्मण्याय नमः!!१०!!
ॐ जयाय नमः!!११!!
ॐ शोर्ये नमः!!१२!!

!! इति विष्णुआदि द्वादशश्रवणदेवता !!

!! अथ ललिताआदि द्वादशश्रवणदेवता !!

ॐ ललितायै नमः!!१!!
ॐ विश्वामात्रे नमः!!२!!
ॐ भद्रायै नमः!!३!!
ॐ भुवनेश्वर्ये नमः!!४!!
ॐ कन्दर्पवासिन्यै नमः!!५!!
ॐ आर्यायै नमः!!६!!
ॐ मोक्षदायै नमः!!७!!
ॐ रेवत्यै नमः!!८!!
ॐ देहागायै नमः!!९!!
ॐ मुक्तिदायै नमः!!१०!!
ॐ पद्मायै नमः!!११!!
ॐ क्षमायै नमः!!१२!!
ॐ कीर्त्यै नमः!!१३!!

!! इति ललिताआदि द्वादशश्रवणदेवता !!

!! अथ वृषोत्सर्ग प्रयोगः !!

!! स्थापन क्रम !! गणेश स्थापनम् !!१!! मातृका स्थापनम् !!२!!
सत्येश स्थापनम् !!३!! नवग्रह स्थापनम् !!४!!
ब्रह्मा स्थापनम् !!५!! विष्णु स्थापनम् !!६!!
महेश स्थापनम् !!७!! तत्पुरुष स्थापनम् !!८!!
ईशाने रुद्र स्थापनम् !!९!! वसोर्द्धारा सहित वृषमातृका स्थापनम् !!१०!!

!! पूजा क्रम !! देहशुद्धि—मध्याह्न संध्या—सत्येश पूजनं—गणपति पूजनं
स्वस्तिपुण्याहवाचनं—मातृका पूजनं—वसोर्द्धारा पूजनं
नान्दीश्राद्धं—ब्रह्मा—आचार्य—ऋत्विकवरणं—अग्नि स्थापनं
ग्रह स्थापनं—आघारादि होम—ग्रहाशान्ति होम—उत्तरपूजनं
स्विष्टकृत्—नवाहुति—बलिदान पूर्णाहुति तथा उत्तरस्थंडिले
रुद्रनाम अग्निस्थापनं—वसोर्द्धारा सहित वृषमातृका पूजनं
ब्रह्मा—विष्णु—महेश—तत्पुरुष पूजनं—ईशाने रुद्र पूजनं
वृषोत्सर्ग होम- वृषवत्सरि पूजनं मधुपर्कादि पूजनं
विवाह होम—चतुर्प्रदक्षिणा—वृषवत्सतर्योःपुच्छे तर्पणं—तथा
१०१ पिंडदान विसर्जन आदि कर्म

!! श्राद्धरत्नम् !!

!! इति वृषोत्सर्ग प्रयोग !!

!! इति श्राद्ध प्रकरणम् !!




स्वस्त्यस्तु विश्वस्य खलःप्रसीदतां

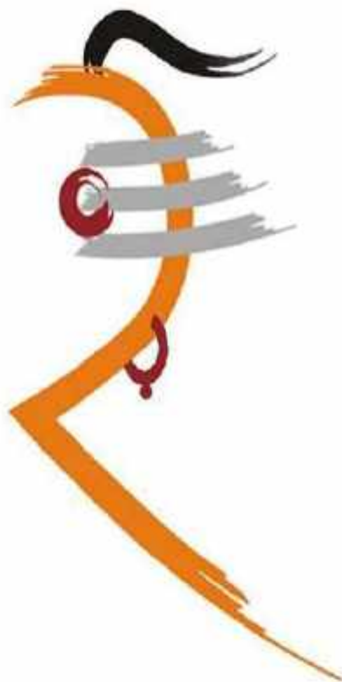
ध्यायन्तु भूतानि शिवं मिथो धिया !

मनश्च भद्रं भजतादधोक्षजे

आवेश्यतां नो मतिरप्यहैतुकी !!

नाथ ! विश्वका कल्याण हो, दुष्टोकी बुद्धि शुद्ध हो, सब प्राणियोंमे परस्पर सद्भावना हो, सभी एक-दूसरेका हित-चिन्तन करे, हमारा मन शुभ मार्गमे प्रवृत्त हो, और हम सबकी बुद्धि निष्कामभावसे भगवान श्रीहरिमें प्रवेश करे !


(श्रीमद्भागवत० ५!१८!९)

prakash pandya

prakash.pandya1978@gmail.com

mo.9033393930

kartik pandya

kartik.pandya231985@gmail.com

mo.9909460540

!! क्षण त्यागे कुतोविद्या !!

